RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 माधुरी दीक्षित एंटरटेनमेंट...

वर्ष : 26 अंक : 227 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 08 अगस्त, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

वक्फ बिल संसद में पेश

कांग्रेस, सपा DMK का विरोध, JDU का समर्थन

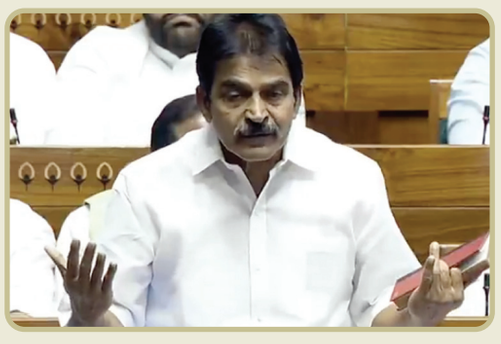

कांग्रेस- बिल संविधान पर हमला | **सपा- धार्मिक आजादी पर हमला** | **डीएमके- वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम कैसे**

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के बाहर विरोध के बीच आज संसद में वक्फ बिल पेश कर दिया गया। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू वक्फ एक्ट-1995 में संशोधन के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया। बिल पेश होते हुए कांग्रेस, सपा और डीएमके के सांसदों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे संविधान के खिलाफ बताया है। सपा सांसद मोहिबुल्ला ने कहा है कि ये हमारे धर्म में दखलअंदाजी है।

केन्द्र की मोदी सरकार ने आज वक्फ एक्ट-1995 में संशोधन बिल को लोकसभा में पेश किया। बिल पेश होते ही लोकसभा में विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया। कांग्रेस, सपा और डीएमके के सांसदों ने जहां इसका विरोध किया। वहीं जेडीयू ने इस बिल का समर्थन किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने वक्फ बिल पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये संविधान से मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। यह बिल फंडामेंटल राइट्स पर हमला है. उन्होंने सवाल किया कि क्या अयोध्या के मंदिर में कोई नॉन हिंदू है, क्या किसी मंदिर की कमेटी में किसी गैर हिंदू को रखा गया है. वेणुगोपाल ने कहा कि वक्फ भी एक धार्मिक संस्था है. ये समाज को बांटने की कोशिश है।

वक्फ बिल पर चिराग पासवान की पार्टी का स्टैंड सामने आया है। चिराग की पार्टी ने कहा है कि ये बिल मुसलमानों के खिलाफ नहीं है लेकिन इसे स्टैंडिंग कमेटी को भेजा जाना चाहिए।

रियल स्टेट कंपनी बनी भाजपा : अखिलेश यादव

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर अखिलेश ने ट्वीट किया है। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में लिखा कि वक्फ बोर्ड संशोधन भी बस एक बहाना है। 'रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह जमीन बेचना निशाना'। अखिलेश यादव ने लिखा कि गारंटी दी जाए कि जमीनें बेची नहीं जाएंगी। BJP रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है।'BJP को अपना नाम भारतीय जमीन पार्टी करना चाहिए'।

'सदन में रोज हो रहा है मेरा अपमान'

कुर्सी छोड़कर सदन में चले गये सभापति धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। विनेश फोगाट के ओलंपिक से बाहर होने को लेकर आज राज्यसभा में हंगामा हुआ है। विपक्ष के नेता खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की, लेकिन सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी। जब टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने मुद्दे को लेकर बात करनी चाही तो सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें चेतावनी दी। सभापति ने कहा कि अगर उन्होंने यही हरकत दोहराई, तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

सभापति ने कहा कि पूरा देश विनेश के लिए दुखी है, हर कोई दुखी है। इसका राजनीतिकरण मत करो। हम उसे वह सब कुछ देंगे जो पदक विजेता को मिलना चाहिए। हम उसे पूरी सहायता देंगे। लेकिन आप सभी से आग्रह है कि इसका राजनीतिकरण मत करो। इस पर विपक्षी कांग्रेस-टीएमसी और अन्य ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद सभापति धनखड़ नाराज हो गए और उन्होंने कहा, 'माननीय सदस्यगण, इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना, अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण माहौल पैदा करना, ये अमर्यादित आचरण नहीं है, बल्कि ये हर सीमा को लांघित करने वाला आचरण है।'

उन्होंने आगे कहाकि ये सदन इस समय देश की रूलिंग के पार्टी के अध्यक्ष को यहां देख रही है। ये सदन इस समय प्रतिपक्ष दल (शेष पृष्ठ-4 पर)

मैं भाग नहीं रहा हूं- धनखड़

धनखड़ ने आगे कहा, 'सदन की गरिमा को कम मत करिए। अमर्यादित आचरण मत अपनाइए। जयराम रमेश हंसिए मत, आपकी आदतें मुझे पता है, कुछ सांसद गलत टिप्पणी करते है, मुझे हाउस का समर्थन जितना चाहिए था उतना नहीं मिला है। मैंने प्रयास में कोई कमी नहीं की। अब मेरे पास एक ही विकल्प है कि मैं अपनी शपथ से दूर नहीं भाग रहा हूं। मैंने आज जो देखा है, सदस्य ने जिस तरह का व्यवहार किया, शारीरिक रूप से किया है, जिस तरह का व्यवहार इधर से भी हुआ है। मैं कुछ समय के लिए अपने आप को यहां बैठने में सक्षम नहीं पा रहा हूं।'

अलविदा कुश्ती-2001-2024

विनेश फोगाट का संन्यास

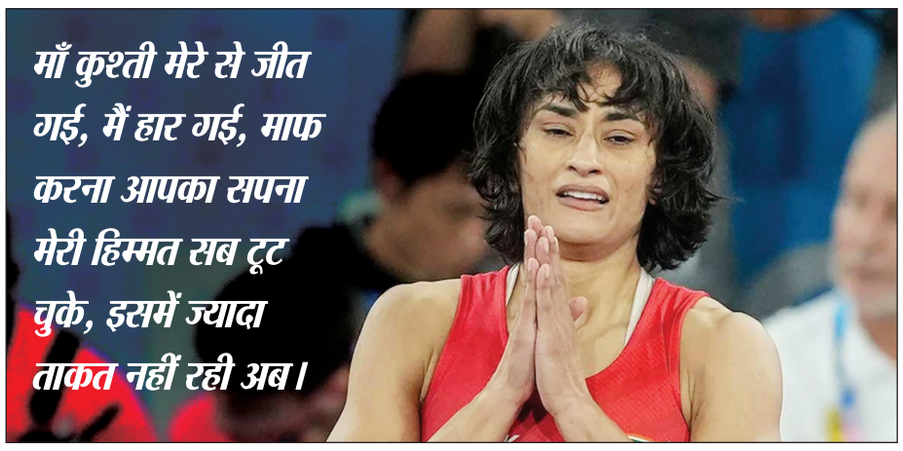

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती जगत को एक बड़ा झटका लगा है। पेरिस ओलंपिक-2024 में कुश्ती के फाइनल से अयोग्य घोषित होने के अगले दिन दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास का एलान कर दिया। गुरुवार को उन्होंने अपनी मां के नाम संदेश लिखते हुए कहा कि वह हार गईं। उनके इस फैसले पर उनके चाचा और कोच महावीर फोगाट ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने बताया कि विनेश के पेरिस से लौटने के बाद वह उन्हें अगले ओलंपिक के लिए मनाएंगे। पेरिस ओलंपिक में मिली निराशा के बाद पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास का एलान कर दिया। गुरुवार सुबह उन्होंने ट्वीट कर अपने इस फैसले की जानकारी दी। विनेश ने लिखा, 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके इससे ज़्यादा ताक़त नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024 आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी माफी।'

वापस आने पर समझाएंगे : महावीर फोगाट

विनेश के इस फैसले पर अब उनके चाचा महावीर फोगाट ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि विनेश के पेरिस से लौटने के बाद वह उन्हें अगले ओलंपिक के लिए मनाएंगे। उन्होंने कहा, 'इस बार ओलंपिक स्वर्ण पदक पक्का था लेकिन वह अयोग्य घोषित कर दी गई। यह दुखद है और इसलिए उसने यह फैसला किया है। एक बार जब वह वापस आ जाएगी, तो हम सभी उसे समझाने की कोशिश करेंगे कि क्या वह अगले ओलंपिक में भाग लेने के लिए तैयार है।'

यूपीआई से टैक्स पेमेंट की सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई एमपीसी बैठक 6 अगस्त को शुरू हुई थी। आज आरबीआई गवर्नर ने बैठक में लिए गए फैसलों का एलान किया है। इस बार भी रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया गया है।

इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिये टैक्स पेमेंट की सीमा बढ़ाने की घोषणा की। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बताया कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में, यूपीआई के लिए टैक्स पेमेंट की सीमा एक लाख रुपये है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, लोन कलेक्शन, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। एमपीसी बैठक के फैसलों का एलान करते हुए दास ने कहा कि चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

निवेश के प्रस्ताव को धरातल पर उतारने में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : नंदगोपाल नंदी

तबादले के बाद भी जमे अफसरों, बकायेदारों से वसूली व मानचित्रों को लेकर बिफरे औद्योगिक विकास मंत्री

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकासा मंत्री नंदगोपाल नंदी ने कहा कि निवेश के प्रस्ताव को धरातल में उतारने में सभी अधिकारी जुट जाएं। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वे लखनऊ में नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान श्री नंदी ने तबादलों के बावजूद अपनी कुर्सी पर जमे अधिकारियों, बकायेदारों से वसूली तथा औद्योगिक, वाणिज्यिक, हाउसिंग तथा (शेष पृष्ठ-3 पर)

छिजारसी-चोटपुर में बिजली माफिया व सफेदपोश नेताओं पर हो कठोर कार्रवाई

भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने छिजारसी-चोटपुर में हो रही लाखों रूपये की विद्युत चोरी की जांच कराने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में उन्होंने मांग की है कि लाखों रूपये की हो रही चोरी में लिप्त बिजली माफिया, सफेदपोश नेताओं तथा विद्युत विभाग के भ्रष्ट अफसरों की जांच कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ये माफिया 25 केवीए के 150 ट्रांसफर्मर के जरिए प्रीपेड उपभोक्ताओं की आड में हजारों अवैध कनेक्शन चलवा रहे हैं तथा उनसे हर माह मोटी रकम वसूल रहे हैं। एक ओर प्रदेश सरकार शहरों व गांवों में 20-24 घंटे विद्युत आपूर्ति का दावा कर रही है। वहीं नोएडा जैसे शहर में रोजाना 2-4 घंटे की कटौती करके करोड़ों का राजस्व देने वाले उपभोक्ताओं का शोषण हो रहा है। वहीं कुछ माफिया व सफेदपोश नेता विद्युत चोरी कर करोड़ों के राजस्व को चूना लगा रहे हैं। इनको चिन्हित कर कठोर कार्यवाही करें।

लिफ्ट में खूंखार कुत्ते ने बुजुर्ग को काटा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में स्थित महागुन माईवुड सोसाइटी में रहने वाले एक बुजुर्ग को लिफ्ट में एक प्रतिबंधित कुत्ते ने काट लिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। घटना के बाद सोसायटी वासियों में रोष है। महागुन माईवुड सोसायटी के निवासियों ने आरोप लगाया कि यहां कुछ लोग अपने पालतू कुत्तों को बाहर टहलाने के लिए ले जाते हैं। इस दौरान वे लिफ्ट का प्रयोग करते हैं। लिफ्ट में दूसरे लोग भी जाते हैं। बुधवार को लिफ्ट में (65 वर्षीय) एक बुजुर्ग व्यक्ति पहले से मौजूद थे। इसी दौरान एक शख्स अपने पालतू कुत्ते को लेकर आया। जब वह लिफ्ट से उतर रहे थे तभी कुत्ते ने बुजुर्ग पर हमला कर दिया। आरोप है कि मालिक ने उसके मुंह पर मजल नहीं लगाया था। कुत्ते के काटने से उन्हें काफी गहरा जख्म हुआ है। पीड़ित के अनुसार घटना के बाद उन्होंने कुत्ते के मालिक को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह उन्हें धमकी देकर वहां से भाग निकला। बुजुर्ग व्यक्ति को काटने (शेष पृष्ठ-3 पर)

निठारी की आरती ने प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल किया

अखिलेश यादव ने दी बधाई, लैपटॉप भेंट किया

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय बौद्ध महासभा की युवा एवं बाल विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में ग्राम निठारी स्थित बी एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल की छात्रा आरती सिंह के प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद अखिलेश यादव ने आरती को बधाई दी और साथ ही लैपटॉप उपहार में दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि सुविधा के अभाव में भी बेटियां आगे बढ़ रही हैं। यह देखकर गर्व होता है। एक छोटे से गांव निठारी में पढ़े बढ़े इन बच्चों ने अपने संघर्ष से यह मुकाम हासिल किया और निश्चित ही अपनी प्रतिभा से भविष्य में एक बड़ा मुकाम हासिल करेंगे।

स्कूल के प्रिंसिपल राजेश अम्बावता ने बताया कि डॉ आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जूनियर एवम् सीनियर वर्ग में 36 जनपदों के (शेष पृष्ठ-3 पर)

आवश्यकता है
विजय सिंह पथिक इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ
बील अकबरपुर (दादरी) जिला गौतमबुद्धनगर को विधि विषय में 2 और अंग्रेजी विषय में 1 प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। वेतन एवं शैक्षिक योग्यता यूजीसी मानक अनुसार।

फोन: 9818333731। Email : vspil334@gmail.com

गारंटियों का जाल

देश सरकारी ढांचे की किफायत, आर्थिक संसाधनों की किल्लत, वित्तीय व्यवस्था में फिजूलखर्ची की आदत, सरकारी उदारता और चुनावी प्रपंचों में ऊलजलूल वादों या गारंटियों से जूझ रहा है। राजनीतिक या चुनावी महत्वाकांक्षा से इतर प्रदेश की हकीकत अब पर्दानशीं नहीं रह सकती, इसलिए फैसलों के उचित-अनुचित होने की गारंटी अब आय के लिए व्यय का इंतजाम करना होगा ताकि गुजारे लायक आर्थिक बंदोबस्त हो सके। इसी तलाश में सुक्खू सरकार ने सोए हिमाचली अधिकार जगाते हुए वाटर सैस जैसे आइडिया का आविष्कार किया। अब विद्युत शैड्यूलिंग के जरिए किफायत पैदा की जा रही है। यानी केंद्रीय विद्युत परियोजनाओं से अधिकृत मुफ्त विद्युत प्राप्ति के मुहाने, स्रोत से सीधे और ट्रांसमिशन शुल्क की आफत से दूर रहेंगे। इस तरह दो सौ करोड़ की अतिरिक्त आय का हिसाब बजट में जुड़ेगा। सरकार की पैनी नजर हिमकेयर योजना पर पड़ी, तो मालूम हुआ कि फर्जी भुगतान ने इस योजना का कचूमर निकाल दिया। हिमकेयर योजना आम नागरिक के उपचार के बजाय निजी स्वास्थ्य संस्थानों का बचाव करने लगी। सुक्खू सरकार इस रिसाव को रोकने के लिए तत्पर दिखाई देती है। होम स्टे योजना के तहत पंजीकृत तीन हजार इकाइयां यूं तो पर्यटकों से लबालब होने लगीं, लेकिन सरकार की विद्युत व जलापूर्ति को घाव देने लगीं। सरकार आइंदा होम स्टे के तहत व्यापारिक दरों से ही विद्युत और पानी की आपूर्ति करेगी। सरकार को आर्थिक व्यवहार बदलना चाहिए, इसमें दो राय नहीं, लेकिन केवल निजी क्षेत्र पर ही प्रहार नहीं होना चाहिए। बेशक प्रदेश की आय के लिए घाटे के स्तर तक व्यय नहीं होना चाहिए, लेकिन इसके लिए समाज के मनोविज्ञान को सही दिशा देनी होगी। सरकार को सरकार रहने दो, लेकिन प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए सहभागी यानी पार्टनर चाहिए। सरकार बनाने या बचाने के हर पहलू में समाज को अपंग बनाएंगे, तो प्रदेश की आर्थिक अपंगता दूर नहीं होगी। जिस प्रदेश में बीपीएल परिवार के दोमंजिला मकान के बाहर वाहन खड़ा रहता हो, वहां लाचार कौन हुआ। जिस प्रदेश के नागरिक पड़ोसी राज्यों की रियल एस्टेट के मालिक हों, उन्हें हिमाचल में दीया दिखाने की नहीं, ईंधन बनाने की जरूरत है। किसने मांगी मुफ्त की बिजली, उधार का उपचार या शिक्षा की दीवार से सटी नई दीवार। मानना पड़ेगा कि सरकारी क्षेत्र इस प्रदेश की आर्थिकी को न आगे बढ़ा सका और न ही बचा सकता। एक निजी बस केवल रूट परमिट नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था व रोजगार है। एक रेहड़ी भी रोजगार के साथ जीएसटी उगाकर राज्य को देती है। व्यवसाय को प्रोत्साहन और रोजगार को आसमान का प्रबंध करना होगा। प्रदेश को आय के लिए निजी क्षेत्र में व्यय करना होगा। व्यय करके नए निवेश जोन बनाने होंगे, ताकि निजी क्षेत्र में स्वरोजगार, रोजगार व जीएसटी पैदा हो सके। सरकार भूमि बैंक बनाने में निवेश करे और निजी क्षेत्र के अनुभव से दक्षता ग्रहण करे। उदाहरण के लिए एचआरटीसी के निदेशक मंडल में अगर अनुभवी प्राइवेट ट्रांसपोर्टर के सुझाव सुने जाएं, तो सरकारी बसें लाभकारी हो सकती हैं। पर्यटन उद्योग के निजी कंधों पर हाथ रखा जाए, तो घाटे की एचपीटीडीसी का बोझ कम होगा। राज्य की आय बढ़ाने का सूत्रधार निजी क्षेत्र हो सकता है, इसका अध्ययन महाराष्ट्र, कर्नाटक व गुजरात में करना होगा। सरकार की आय मंदिरों में बढ़ सकती है, लेकिन पहले इन परिसरों को दक्षिण भारत के मंदिर मॉडल की तरह विकसित करना होगा। हमारे मंदिरों से पांच हजार करोड़ की आय चस्पां है, सिर्फ इस क्षमता को व्यवस्थित ढंग से चैनलाइज करने की आवश्यकता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि पाप, संताप और शोक का नाश करने वाले तथा इस लोक और परलोक के प्रिय पालन करने वाले हैं। विचार (ज्ञान) रूपी राजा के शूरवीर मंत्री और लोभ रूपी अपार समुद्र के सोखने के लिए अगस्त्य मुनि हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

काम कोह कलिमल करिगन के। केहरि सावक जन मन बन के॥
अतिथि पूज्य प्रियतम पुरारि के। कामद घन दारिद दवारि के॥
भक्तों के मन रूपी वन में बसने वाले काम, क्रोध और कलियुग के पाप रूपी हाथियों को मारने के लिए सिंह के बच्चे हैं। शिवजी के पूज्य और प्रियतम अतिथि हैं और दरिद्रता रूपी दावानल के बुझाने के लिए कामना पूर्ण करने वाले मेघ हैं॥

मंत्र महामनि बिषय ब्याल के। मेटत कठिन कुअंक भाल के॥
हरन मोह तम दिनकर कर से। सेवक सालि पाल जलधर से॥
विषय रूपी साँप का जहर उतारने के लिए मन्त्र और महामणि हैं। ये ललाट पर लिखे हुए कठिनता से मिटने वाले बुरे लेखों (मंद प्रारब्ध) को मिटा देने वाले हैं। अज्ञान रूपी अन्धकार को हरण करने के लिए सूर्य किरणों के समान और सेवक रूपी धान के पालन करने में मेघ के समान हैं॥

अभिमत दानि देवतरु बर से। सेवत सुलभ सुखद हरि हर से॥
सुकबि सरद नभ मन उडगन से। रामभगत जन जीवन धन से॥
मनोवांछित वस्तु देने में श्रेष्ठ कल्पवृक्ष के समान हैं और सेवा करने में हरि-हर के समान सुलभ और सुख देने वाले हैं। सुकवि रूपी शरद् ऋतु के मन रूपी आकाश को सुशोभित करने के लिए तारागण के समान और श्री रामजी के भक्तों के तो जीवन धन ही हैं॥

(क्रमशः..)

इस्लामिक देशों की अशांति से भारत को क्या सबक लेना चाहिए?

तुर्की अशांत है, यमन अशांत है, कांगो अशांत है, ईरान अशांत है, इराक अशांत है, सूडान अशांत है, मिस्र अशांत है, सीरिया अशांत है, बांग्लादेश अशांत है, सोमालिया अशांत है, पाकिस्तान अशांत है, मालदीव अशांत है, नाइजीरिया अशांत है, तजाकिस्तान अशांत है, अफगानिस्तान अशांत है। देखा जाये तो दुनिया के अधिकतर इस्लामिक देश अशांत हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान तो कभी अखण्ड भारत का ही हिस्सा थे लेकिन इनकी दिक्कतें तभी शुरू हुईं जब यह इस्लामिक देश बने। जबकि हिंदू बहुल भारत में लोकतंत्र मजबूत और स्थिर रहा तथा देश के सेकुलर रहने से सभी धर्मों के लोग यहां पूरी आजादी के साथ अपने जीवन का निवर्हन करते हैं।

लेकिन भारत का साम्प्रदायिक सौहार्द्र उन अराजक तत्वों को भा नहीं रहा है जोकि 2047 तक हिंदुस्तान को इस्लामिक राष्ट्र में तब्दील करने का एजेंडा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिये योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न इलाकों की डेमोग्राफी बदली जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक देश के 9 राज्यों, 200 जिलों और 1500 तहसीलों का जनसांख्यिकी अनुपात बिगाड़ा जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पिछले सप्ताह ही कहा था कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ काफी बढ़ गई है तथा जनसांख्यिकी में बदलाव आने का खतरा वास्तविक और गंभीर है। उन्होंने कहा था कि रोहिंग्या लगातार भारत-बांग्लादेश सीमा का इस्तेमाल करके भारत में आ रहे हैं और कई राज्य जनसांख्यिकीय बदलाव की समस्या का सामना कर रहे हैं।

देखा जाये तो यदि इस समस्या का समाधान निकालने पर ध्यान नहीं दिया गया तो मुश्किलें खड़ी होना तय है। इस संबंध में विश्व इतिहास के कुछ उदाहरणों से सबक लिया जा सकता है। पहले तुर्की, मिस्र और सीरिया में ईसाई बहुसंख्यक थे। लेकिन आज यह इस्लामिक राष्ट्र हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी थी जोकि अब न्यूनतम स्तर पर पहुँच गयी है। ईरान में 90ब पारसी थे और उसका नाम पर्सिया था लेकिन आज वह इस्लामिक देश है और वहां कट्टरपंथी सोच वाली सरकार है। वैश्विक घटनाक्रमों पर नजर डालेंगे तो यह भी प्रतीत होगा कि कम कट्टरपंथियों वाले देश और

ज्यादा कट्टरपंथियों वाले देश के हालात में क्या फर्क होता है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, इटली, नॉर्वे आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 2 प्रतिशत से भी कम है इसलिए वहां दंगे इत्यादि नहीं होते। डेनमार्क, जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और थाईलैंड में कट्टरपंथियों की आबादी 5 प्रतिशत तक है इसलिए वहां आपको अक्सर छोटी-छोटी बातों पर धरना प्रदर्शन होने की खबरें मिलती होंगी। फ्रांस, फिलिपींस, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, नीदरलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 10 प्रतिशत तक है इसलिए वहां विशेष दर्जा और तमाम सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन होते हैं। गुयाना, भारत, इज़राइल, केन्या और रूस आदि में इनकी आबादी 10 से 20 प्रतिशत तक है तो विशेष धार्मिक कानून, विशेष स्कूल, विशेष तालीम और विशेष ड्रेस कोड लागू करने पर जोर दिया जाता है। कट्टरपंथियों की आबादी का प्रतिशत जिन देशों में 20 प्रतिशत से ज्यादा है वहां अपहरण, बलात्कार, सामूहिक धर्मांतरण, आगजनी, नरसंहार, गृहयुद्ध जैसी स्थितियों के चलते बड़ी संख्या में लोगों का पलायन भी होता है। ऐसे देशों में बोस्निया, लेबनान, अल्बानिया, मलेशिया, कतर, सूडान, बांग्लादेश, मिस्र, गाजा, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, सीरिया, तजाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, सोमालिया और यमन आदि शामिल हैं।

अगर इन उदाहरणों से भी बात आपकी समझ में नहीं आई है तो कुछ और उदाहरणों को देखना चाहिए। जैसे कि दुर्योधन का ननिहाल गंधार अब अफगानिस्तान कहलाता है। भरत जी का ननिहाल कैकेय अब पाकिस्तान कहलाता है। ईस्ट बंगाल अब बांग्लादेश कहलाता है। वेस्ट पंजाब अब पाकिस्तान का हिस्सा है। आगे चल कर भारत को और कोई दिक्कत पेश नहीं आये इसलिए अभी से सख्त कदम उठाना जरूरी है। लेकिन सवाल उठता है कि हमारे सभी जनप्रतिनिधि कब देश की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देंगे। देखा जाये तो आज वास्तविक समस्या महंगाई या बेरोजगारी नहीं बल्कि जनसंख्या का बिगड़ता अनुपात है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के 9 राज्यों अर्थात 25 प्रतिशत राज्यों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। इसको थोड़ा और विस्तार से देखेंगे तो भारत के 200 ज़िलों अर्थात 25ब जिलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। इसको और थोड़ा विस्तार से देखेंगे तो पाएंगे कि भारत की 1500 तहसीलों अर्थात 25 प्रतिशत तहसीलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। यही नहीं, सीमाई इलाकों की 300 तहसीलों अर्थात 100प्रतिशत तहसीलों की डेमोग्राफी बदल चुकी है। साथ ही देश में ऐसा कोई जिला नहीं बचा है जहां घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट नहीं हो रहा है।

बहरहाल, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में बताया है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना सदमे में हैं। देखा जाये तो सदमा होना स्वाभाविक भी है क्योंकि अचानक से उन्हें सत्ता और देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। भारत में कभी ऐसी स्थिति नहीं आये इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना अनिवार्य है। साथ ही घुसपैठ और धर्मांतरण पर पूर्ण नियंत्रण लगाना होगा और यह काम वोट बैंक की राजनीति से प्रभावित हुए बिना करना होगा। हमारे देश में सभी राजनेता संविधान की दुहाई देते हैं लेकिन भारत में संविधान का राज सदैव कायम रहे इसके लिए अभी से सतर्क होने और देश में कानूनों को कड़ा करने की जरूरत है।

-नीरज कुमार दुबे

कोचिंग सेंटरों का काला सच

दिल्ली स्थित एक आईएएस कोचिंग सेंटर में पानी भरने से हुई तीन छात्रों की दर्दनाक मौत ने कोचिंग सेंटरों की कार्यशैली पर फिर से बड़ा सवाल खड़ा किया है। देशभर के छात्र अपना भविष्य बनाने की चाह लेकर कोचिंग सेंटरों में पहुंचते हैं, भारी भरकम फीस भरते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर सिर्फ हादसे और मौत से सामना होता है। दिल्ली को सिविल सेवाओं की तैयारी का गढ़ माना जाता है। ज्यादातर कोचिंग सेंटर किराए के मकानों में संचालित हैं जिनमें जरूरत की सुविधाएं बिल्कुल भी नहीं होतीं। राजधानी के ओल्ड राजेंद्र नगर में जिस कोचिंग सेंटर में हादसा हुआ है, वह भी किराए पर था। बेसमेंट में बारिश का पानी हमेशा से भरता रहता था, जिसे सेंटर वालों ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। आस पड़ोस और चश्मदीदों ने बताया कि सेंटर में पानी जमा होने की समस्या पुरानी है। ड्रेनेज की सही व्यवस्था नहीं है और साफ-सफाई भी नियमित रूप से नहीं होती। स्टूडेंट्स के रहने की व्यवस्था भी ठीक नहीं थी। जगह-जगह पर बिजली के तार भी गिरे रहते हैं, जिससे किसी को भी करंट लग सकता है। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में छोटे-छोटे कस्बों में, अनगिनत कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। पर, कोचिंग लेने वालों को पढ़ाई के अलावा सुरक्षा से संबंधित जो सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए, वो नहीं मिलती। कुछ कोचिंग सेंटर वालों को सिर्फ शिक्षा के नाम पर धंधा करना होता है। इनके तार ताकतवर लोगों तक होते हैं ताकि कोई अनहोनी घटना होने पर सुलझा लिया जाए।

कोचिंग सेंटरों में हादसे होने की एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि ज्यादातर सेंटर बेसमेंट में हैं और लाइब्रेरियां भी उन्हीं में हैं। ऐसा राजनीतिक नेताओं, एमसीडी अधिकारी और जमीन मालिकों के बीच सांठगांठ से संभव होता है। दिल्ली के करीब 90 फीसदी कोचिंग सेंटरों की लाइब्रेरी बेसमेंट में मौजूद हैं। इसके अलावा कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले छात्र छोटे-छोटे कमरों में रहते हैं जिनमें न खिड़कियां होती हैं और न घटना होने पर निकलने की कोई आपात सुविधाएं। दिल्ली में कोचिंग सेंटरों के पास उपयुक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। उन्होंने सडकों पर अतिक्रमण किया हुआ है। दीवारें होर्डिंग से पाट रखी हैं। क्या यह सब एमसीडी अधिकारियों को नहीं दिखाई देता? कुल मिलाकर ऐसे हादसे राजनीतिक पहुंच, एमसीडी और कोचिंग संस्थानों के मालिकों के बीच गठजोड़ का ही नतीजा होते हैं। घटना के बाद कई कोचिंग सेंटरों को सील किया गया है। जांच के नाम पर धरपकड़ तेज हुई है। लेकिन यह तभी तक है, जब तक घटना का शोर रहेगा, शोर शांत होते ही कोचिंग वाले फिर से एक्टिव हो जाएंगे। कोचिंग संस्थानों का बढ़ता मकडज़ाल शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। ये कोचिंग संस्थान बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कराने में तो सफल हो जाते हैं, पर इसका दूरगामी असर यह पड़ रहा है कि बच्चों को विषय की पूरी जानकारी ही नहीं हो पा रही है, जिसका परिणाम यह हो रहा कि बच्चों का समुचित ज्ञानवर्धन नहीं हो पा रहा है। देश में उच्च माध्यमिक शिक्षा स्तर तक तो कोचिंग रूपी एक समानांतर शिक्षा प्रणाली परिपक्व हो गई है। क्यों समाज के अधिकांश हिस्से ने यह स्वीकार कर लिया है कि किसी भी बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को कोचिंग में पढ़ाना जरूरी ही नहीं,

अनिवार्य है। यह साबित करता है कि समानांतर रूप से दो शिक्षण व्यवस्थाएं चल रही हैं। वे कहते हैं कि कोचिंग में पढ़ाना गलत नहीं है क्योंकि यह निश्चित ही अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्यों से किए गए प्रयास में से एक है और प्रत्येक को आवश्यकतानुसार करना भी चाहिए।

लेकिन यदि शैक्षणिक संस्थानों के साथ कोचिंग में पढना अपरिहार्य हो जाए तो निश्चित ही चिंता का विषय है। सदैव से ही शिक्षार्थियों की समस्त शैक्षणिक आवश्यकताओं को उनके अध्ययनरत संस्थानों के माध्यम से ही पूरा कराया जाना निर्धारित रहा है। ऐसी दशा में कोचिंग के माध्यम से शैक्षणिक जरूरतों को पूर्ण कराए जाने के चलन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। वर्तमान में कोचिंग के स्वरूप में भी परिवर्तन हुआ है और इनके पुराने असंगठित स्वरूप के साथ अब संगठित क्षेत्र में बड़े-बड़े कोचिंग केंद्रों तथा ऑनलाइन कोचिंगों का चलन प्रचलित हो रहा है। इस प्रकार अब लगभग प्रत्येक स्तर की औपचारिक शिक्षा के लिए निर्दिष्ट शिक्षण संस्थानों के साथ में समानांतर रूप से कोचिंग की व्यवस्था उपलब्ध हो चुकी है। इस प्रकार की समानांतर शिक्षा व्यवस्थाओं से निश्चित ही प्रत्येक स्तर के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों की पढ़ाई की कठिनाइयों को दूर करते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के अवसर तो उपलब्ध हो गए हैं, लेकिन इस परिपक्व हो रही नई व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन जरूरी है। देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐसी क्या कमी है कि विद्यार्थियों को एक्स्ट्रा कोचिंग लेनी पड़ती है? स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम को ऐसा क्यों नहीं बनाया जाता है कि जिस भी विद्यार्थी को सिविल सेवाओं या अन्य किसी विशेष सेवा में जाना हो तो उसे उसी के कॉलेज में वह शिक्षा मिले।

यदि एक्स्ट्रा कोचिंग जरूरी हो तो भी तमाम कोचिंग सेंटरों को मौजूदा स्कूलों और कॉलेजों में ही क्यों न चलाया जाए? यदि ऐसा किया जाए तो कोचिंग सेंटर चलाने वालों को भी एक व्यवस्थित जगह मिल जाएगी और विद्यार्थियों को भी खुले वातावरण में पढने का मौका मिलेगा। यदि ऐसे हादसों को रोकना है तो देश में नियम बनाने की जरूरत है, जहां नियमों के तहत ही कोचिंग सेंटर चल पाएं, मनमाने तरीके से नहीं। जिस तरह एक बड़ा अस्पताल, होटल या मॉल खुलता है तो उसे तमाम विभागों से अनुमति लेना अनिवार्य होता है, उसी तरह यदि सरकार चाहे तो कोचिंग सेंटर के इस तंत्र को नियंत्रित कर सकती है। ऐसे में यदि कोचिंग सेंटर और संबंधित एजेंसियां पारदर्शिता से अपना कर्तव्य निभाएं तो ऐसे हादसों पर काफी हद तक रोक लग सकेगी। देश की राजधानी दिल्ली में कोचिंग सेंटर में हुए हादसे ने सभी को हिला दिया है। जिसे देखो, वो कोचिंग सेंटर के संचालकों पर उंगली उठा रहा है, जबकि ऐसे हादसों में केवल उनकी गलती नहीं होती। यह बात जगजाहिर है कि हर एक कोचिंग सेंटर के साथ एक संगठित क्षेत्र जुड़ा होता है। फिर वो चाहे वहां पढने वाले विद्यार्थियों के रहने के लिए हॉस्टल व्यवस्था हो, भोजन व्यवस्था वाले हों, किताब की दुकानें हों या अन्य संबंधित व्यवस्था प्रदान करने वाले हों। परंतु जब भी कभी कोई हादसा होता है तो केवल कोचिंग सेंटर को ही कटघरे में क्यों लाया जाता है? क्या कोचिंग सेंटर चलाने को अनुमति प्रदान करने वाली एजेंसियां इसकी जिम्मेदार नहीं हैं? यही हमारे आसपास चल रहे कोचिंग सेंटरों का काला सच है।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
रोग से बचें। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। कार्यों में विघ्न बाधा बढ़ेगी लेकिन जीत आपकी हो जाएगी। प्रेम संतान अच्छा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मानसिक अवसाद की स्थिति बनी रहेगी। प्रेम में तू तू मैं मैं की स्थिति है। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। व्यापार सही चलेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घर में कोई बड़ा झगड़ा या बवाल न हो इस बात का ध्यान रखिएगा और घरेलू चीजों को बहुत शांत होकर निपटाइएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम संतान अच्छा है, व्यापार मध्यम रहेगा। रक्त संबंधों को मजबूती मिलेगी.

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कुटुंब में थोड़ी अनबन की स्थिति है। जुबान पर नियंत्रण रखें। रूपए पैसे जो आ रहे हैं, उसको संचित करें निवेश करने से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है, प्रेम संतान अच्छा है, व्यापार भी अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनायास अनाब-शनाब खर्चे होंगे। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा। हरी वस्तु पास रखें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन ससंकित रहेगा। समाचार के माध्यम से भ्रामक समाचार की प्राप्ति हो सकती है।

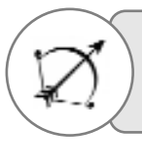

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में घाटा होने के संकेत हैं ध्यान रखें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। धर्म-कर्म में अतिवादी न बनें। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
परिस्थितियां थोड़ी प्रतिकूल दिख रही हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वयं के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में थोड़ी सी परेशानी का अनुभव करेंगे आप।

एचएचईडब्ल्यूए ने मनाया 10वां राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस पर हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स वेलफेयर ने एक समारोह में एसोसिएशन ने बुनकरों और वीवर्स का कार्य करने वाले लगभग 150 कारीगरो को सम्मानित किया गया, यह आयोजन वेस्ट दिल्ली स्थित बुनकर कॉलोनी, भारत नगर में एचएचईडब्ल्यूए दिल्ली चैप्टर की हेड मीनाक्षी राठौर द्वारा आयोजित किया गया।

एचएचईडब्ल्यूए के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी.शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के बुनकरों और वीवर्स के कार्य को महत्व देना और बढ़ावा देना है, उन्होंने बताया कि आज एचएचईडब्ल्यूए के सभी चैप्टर में राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया गया है, जिसमें नोएडा, मिर्जापुर, वाराणसी, भदोही, खुर्जा, पानीपत, दिल्ली, फरीदाबाद और तमिलनाडु शामिल हैं।

एचएचईडब्ल्यूए के महासचिव भरत बढेरा ने बताया कि इस समारोह का मुख्य उद्देश्य यही है कि हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट से जुड़े व्यवसाय के सभी लोग अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें और प्रधानमंत्री मोदी के घोषित राष्ट्रीय हैंडीक्राफ्ट दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

आंचल बोहरा ने कहा कि अपनी आय का 5 प्रतिशत नेशनल हैंडीक्राफ्ट दिवस पर हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट के सामान खरीदने पर खर्च करें।

मुख्यमंत्री का आदेश भू-माफिया के ठेंगे पर

वर्क सर्किल-3 में खड़ी हो गयी अवैध इमारत

- अधिकारियों ने कहा- होगी जांच
- जांच में चल रहा खेल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हबीबपुर के एक भू-माफिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश को ठेंगे पर रख दिया है। बताया गया है कि हबीबपुर गांव के उक्त भूमाफिया ने खसरा नंबर 156 में सैकड़ो अवैध फ्लैट बना दिया। उक्त भू-माफिया मुख्यमंत्री के आदेशों को मानने के लिए तैयार नहीं है। हबीबपुर गांव के पेट्रोल पंप के बगल में स्थित खसरा नंबर 156 में भूमाफिया देवेश मलिक ने सैकड़ो की संख्या में अवैध फ्लैट बनाकर लोगों को बेचने का काम कर रहा है। जबकि इस अवैध फ्लैट को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अवैध घोषित कर रखा है और यहां पर लगे विद्युत कनेक्शन को भी काटने का निर्देश एनपीसीएल को दिया गया है। एक तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवैध निर्माण को ध्वस्त करने में लगे हैं। वहीं वर्क सर्किल 3 टीम में अवैध निर्माण का धड़ाधड़ हो रहा है। वर्क सर्किल 3 के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम चौधरी से इस संबंध में कई बार बात की गई। उन्होंने कहा कि मामले की जांच हो रही है। लेकिन अभी तक महीनों का समय बीत जाने के बाद भी भू-माफिया के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

भाकियू का ट्रैक्टर तिरंगा मार्च कल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन की ट्रैक्टर तिरंगा मार्च का आयोजन ग्रेटर नोएडा के पूरे क्षेत्र में कल किया गया है यह जानकारी भाकियू के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने दी है। उन्होंने बताया है कि कल सैकड़ो की संख्या में किसान ट्रैक्टर पर सवार होकर तिरंगा मार्च कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें हजारों की संख्या में लोग हिस्सा लेंगे उन्होंने कहा कि तिरंगा मार्च कार्यक्रम की सफलता को लेकर पूरे पश्चिम प्रदेश में महा जनसम्पर्क अभियान चलाया गया है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता किसान ट्रैक्टर तिरंगा मार्च कार्यक्रम में हिस्सा लेने पवन खटाना ने कहा कि तिरंगा ट्रैक्टर मार्च कार्यक्रम भव्य हो इसके लिए हम सभी पूरी ताकत ढूंढ देंगे।

अटेवा में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश शाखा जनपद शाखा गौतम बुध नगर के जेवर ब्लॉक की बीआरसी पर एनपीएस एवं निजीकरण देश की अर्थव्यवस्था के लिए है घातक के विषय पर प्रांतीय आह्वान पर जिल अध्यक्ष रविंद्र सिंह अली की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री जगवीर भाटी के संचालन में गोष्ठी आयोजित हुई। जेवर ब्लॉक के महा मंत्री धर्मेंद्र और ब्लॉक उपाध्यक्ष आदित्य शर्मा को गोष्ठी के अंत में सर्वसम्मति से निर्विरोध मनोनीत किया गया।

जेवर ब्लॉक अध्यक्ष सुमन यादव वीरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा सभी को एक जुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रमोद कुमार, सोनू, विकाश, के के शर्मा, संदीप अत्री, डॉ रवि करण आदि में संबोधित किया। जिला महामंत्री जगवीर भाटी ने सभी से समर्थन की अपील की। संगोष्ठी में गुड्डी देवेंद्र कुमार,पदम सिंह, अशोक, अजबराज, छत्रपाल हिरदेश अनुज, भरत सोलंकी संजय खारी आधुनिक प्रतिभाग् किया।

भुगतान मांगने पर प्राधिकरण ठेकेदार ने दी धमकी, व्यापारियों में आक्रोश

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एक ठेकेदार ने एक दुकानदार से माल लेने के बाद लगभग 15 लाख रूपये हड़प लिया है। ठेकेदार का चेक भी बाउंस हो गया है। बकाया पैसा मांगने पर दुकानदार को धमकी दी जा रही है। इस मामले में पीड़ित दुकानदार ने थाना बीटा-टू में ठेकेदार के खिलाफ शिकायत की है।

थाना बीटा-टू में श्री गणेश ट्रैडिंग कंपनी के नवनीत ने कहा है कि बीते दिनों श्री गणेश ट्रैडिंग कंपनी से बिल्डिंग बनाने का माल हरबंस सिंह ठेकेदार उर्फ उर्मी एंटरप्राइजेज को दिया गया था। जिसमें लगभग 15 लाख रुपया बकाया बचा हुआ है। उसने फर्म के नाम से एक चेक दिए थे वो भी बाउंस हो गए हैं। पीड़ित नवनीत का कहना है कि बकाया पैसों की मांग करने पर ठेकेदार द्वारा धमकी दी जाती है। पीड़ित ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि मामले की जांच कराते हुए ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं इस मामले में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा है कि ठेकेदार के खिलाफ उचित कार्रवाई न होने पर व्यापारी सड़कों पर उतर कर धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

'सदन में रोज हो...

के राष्ट्रीय के अध्यक्ष की भी उपस्थिति देख रही है। कांग्रेस की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं, जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के माध्यम से, अखबार के माध्यम द्वारा कितनी गलत टिप्पणी की है मैंने देखा है। मेरे को यह चुनौती नहीं दी जा रही है, यह चुनौती सभापति के पद को दी जा रही है। ये चुनौती इसलिए दी जा रही है कि जो व्यक्ति इस पद पर बैठा है वो इसके लायक नहीं है, ऐसा ये लोग सोचते हैं।

निवेश के प्रस्ताव को...

आवासीय मानचित्रों के निस्तारण को लेकर अफसरों को काफी खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर लापरवाही न बरतें तथा कड़ा एक्शन लें। उन्होंने कहा कि तबादले के बाद भी जमे अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। कर्मचारियों तथा अधिकारियों की संख्या कम हो तो प्रतिनियुक्ति पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया जाए। बैठक में सीईओ लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री के अलावा सभी आला अधिकारी मौजूद रहे। वित्तीय बोर्ड के बाद ये पहली बैठक थी जिसमें नंद गोपल नंदी ने नोएडा प्राधिकरण के सभी विभागों की समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश दिए।

सिविल, जन स्वास्थ्य, जल, ग्रप हाउसिंग, कामर्शियल, संस्थागत के लिए किए जा रहे कार्यो को देखा गया। नोएडा में लगातार हटाए जा रहे अवैध निर्माण की जानकारी दी गई। लैंड बैंक और नए विकासित किए जा रहे औद्यागिक सेक्टर के बारें में अवगत कराया गया। साथ ही यहां आने वाले निवेश, मैन्यूफैक्चरिंग और भविष्य में पैदा होने वाले रोजगार के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद सिविल के कार्यो के बारे में जिसमें चिल्ला एलिवेटड पर बजट के इशू पर चर्चा की गई। भंगेल एलिवेटड की प्रगति और अन्य कार्यो से अवगत कराया गया।

इसके अलावा नोएडा में आने वाले योजनाओं के बारे में जानकारी ली गई। वहीं मेट्रो परियोजनाओं के बारे में बताया गया। इसके अलावा किसानों से संबंधित मामलों, परिसंत्तियों पर चर्चा की गई। वहीं अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत आए बिल्डरों की स्टेटस रिपोर्ट के बारे में अवगत कराया गया।

निठारी की आरती ने...

125 परीक्षा केंद्रों पर 18 हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था जिसमे प्रथम स्थान प्राप्त कर आरती ने ना सिर्फ स्कूल का नाम बल्कि जिले का नाम रोशन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरती से मिलकर उसका मनोबल जिस तरह बढ़ाया वह प्रेरणादायक था।

लिफ्ट में खूंखार...

वाले कुत्ता और उसका मालिक लिफ्ट में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। इस बाबत पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी ने थाने में शिकायत नहीं दर्ज करवाई है।

यूपीआई से टैक्स...

इसलिए यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है। टैक्स पेमेंट को लेकर आवश्यक निर्देश अलग से जारी होंगे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

इफको इम्पलाइज यूनियन के चुनाव समपन्न, अध्यक्ष बने पंकज पांडेय

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको इम्पलाइज यूनियन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर पंकज पाण्डेय ने संतोष कुमार को 23 मतों से पराजित किया। पंकज पाण्डेय को 107, संतोष कुमार को 84 तथा मनोज कुमार तिवारी को 22 मत मिले। महामंत्री पद पर विजय कुमार यादव ने विनय कुमार यादव को 2 मतों से पराजित किया। विजय कुमार यादव को 92,विनय कुमार यादव को 90 एवं मनोज कुमार श्रीवास्तव को 28 मत मिले।

उपाध्यक्ष पद पर धर्म सिंह पटेल 1 वोट से विजयी हुए। धर्म सिंह पटेल को 87, प्रभात कुमार को 86 तथा सुरेश कुमार सिंह यादव 39 को मिले। संयुक्त मंत्री (संगठन) पर सालिक राम पटेल समान मत होने पर लॉटरी से विजयी हुए। सालिक राम पटेल को 61, संताज अली को 61,विनोद कुमार यादव को 60 एवं वीरम यादव को 30 मत मिले। संयुक्त मंत्री (प्रचार) पर अभयराज यादव 3 मतों से विजयी हुए। अभयराज यादव को 91, रजनीश राव को 88 तथा राहुल कुमार को 34 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर गौरव श्रीवास्तव 3 वोटों से जीत दर्ज की।

गौरव श्रीवास्तव को 80, अतुल तिवारी 77 तथा दिनेश कुमार मौर्य को 55 मत मिले। सहायक मंत्री पद पर अभिषेक पटेल तथा राम चन्द्र गौतम निर्वाचित हुए। अभिषेक पटेल को 77, रामचन्द्र गौतम को 85, विनीत कुमार राय को 71, राम बाबू जायसवाल को 64, एनीजी नायर को 38, तथा ज्ञान सिंह पटेल 25 मत मिले।

कार्यकारिणी सदस्य पद पर मनोज पटेल तथा विनोद कनौजिया निर्वाचित हुए। मनोज पटेल को 77, विनोद कनौजिया को 77, सुनील कुमार पाल को 60, सुनील वैश्य को 53, मु0 आरिफ अंसारी को 57 तथा पंकज सिंह 40 मत मिले।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश ने जीते हुए सभी प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चुनाव अधिकारी पी.के.पटेल ने चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर कर्मचारियों की सराहना की।

निंबाहेड़ा में भीषण सड़क हादसा एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

एजेंसी

जयपुर। चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई है। मंगलवार देरा रात यह हादसा हुआ। पुलिस मौके पर पहुंची है। निंबाहेड़ा चित्तौड़गढ़ फोरलेन पर यह हादसा हुआ। मामला निंबाहेड़ा के पास भावलिया का है। मृतक बाइक सवार की पहचान सुरेश निवासी केसरपुरा थाना शंभूपुरा के रूप में हुई है। दो महिलाओं सहित पांच लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जानकारी के मुताबिक देर रात को निम्बाहेड़ा सदर पुलिस थाना क्षेत्र

के निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर भावलिया के पास बाईक पर दो मासूम समेत 6 लोग सवार होकर घर जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन पुरुष, एक महिला और एक बच्ची शामिल हैं। टक्कर के दौरान एक मासूम उछल कर दूर जा गिरा जिससे उसकी जान बच गई। घायल बच्ची का इलाज निम्बाहेड़ा जिला अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा कि एक ही बाइक पर सवार होकर ये सभी 6 लोग जा रहे थे। हादसे में एक बच्चे को छोड़ सभी की जान चली गई। हादसे के बाद सड़क पर मृतकों के क्षत-विक्षत शव बिखर गए। भावलिया के पास चित्तौड़गढ़- निम्बाहेड़ा नेशनल हाइवे के पास की घटना बताई जा रही है। सूचना पर निम्बाहेड़ा सदर थाना जाब्ता मौके पर पहुंच गया है। साथ ही मामले की जांच की जा रही है। मृतक बाइक सवार की पहचान चित्तौड़गढ़ के शम्भूपरा पुलिस थाना क्षेत्र के केसरपुरा गांव निवासी सुरेश के रूप में हुई। वहीं बाकी अन्य मृतक भी इसी के परिवार के लोग बताए जाए रहे हैं। घटना स्थल पर हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। पुलिस ने पांचों के क्षत विक्षत शवों को लोडिंग टेम्पो में रखवाकर कर निम्बा4हेड़ा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं।

खास खबर

ईरान की मदद करेगा पाकिस्तान

येरुशलम। इजराइल के साथ युद्ध के मुहाने पर खड़े ईरान को पाकिस्तान से अहम हथियार मिलने जा रहे हैं। येरुशलम पोस्ट ने स्रोतों के हवाले से दावा किया है कि ईरान का अगर इजराइल के साथ संघर्ष बढ़ता है तो पाकिस्तान उसे मीडियम रेंज की शाहीन-3 बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि ईरान और पाकिस्तान की ओर से गुजारिश किए जाने के बाद ये बैठक हुई है। 57 इस्लामिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला ओआईसी खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रतिनिदि संगठन के तौर पर पेश करता है। इसमें अरब देशों के साथ ही ईरान, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रभावशाली गैर-अरब देश भी शामिल हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान की ओर से ये जानकारी दी गई है। ओआईसी की आपातकालीन बैठक ईरान और पाकिस्तान के अनुरोध पर सऊदी अरब में हुई है। सऊदी ओआईसी प्रतिनिधि ने बताया है कि तटीय शहर जेद्दा में हुई बैठक में इजरायल के फिलिस्तीन पर कब्जे और हानिया की हत्या पर चर्चा की गई।

जवानों ने मार गिराया पाकिस्तान ड्रोन

गुरदासपुर। पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की 113 बटालियन ने एक पाक ड्रोन को मार गिराया है। बीओपी डीबीन रोड पर एक पाक ड्रोन सीमा लांघ रहा था जब तैनात जवानों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने उसे मार गिराया और पाक के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। बता दें इससे पहले गत रविवार रात को भी जवानों ने भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग व इलु बम दागे थे। बीएसएफ की 113 बटालियन के बहादुर जवान तीन दिन में दो बार भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर चुके हैं। बुधवार अल सुबह से ही बीएसएफ और पुलिस की ओर से इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि इसी बटालियन के जवान पूर्व में पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने में सफल रहे थे।

बागेश्वर में हो सकती है तेज बारिश

देहरादून । उत्तराखंड में अधिकतर इलाकों में भारी बारिश थम गई है लेकिन देहरादून समेत कई क्षेत्रों में तीव्र बौछारें अभी भी जारी हैं। हल?द्वानी में मंगलवार देर रात से बारिश शुरू है जिससे उमस से राहत मिली और मौसम खुशगवार हो गया। वहीं बदरीनाथ हाईवे पर कमेडा में पहाड़ी से गिरे मलबे की चपेट में आने से एक कार बाल-बाल बची गई। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बादल छाए रहेंगे। बागेश्वर में आकाशीय बिजली चमकने के साथ ही भारी बारिश हो सकती है इसको लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून, नैनीताल, पिथौरागढ़ और चंपावत में भी कहीं-कहीं गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है। दून में मंगलवार को कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई थी। कुछ ही देर बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आई। मौसम विभाग के मुताबिक दून में बुधवार को भी भारी बारिश के एक-दो दौर हो सकते हैं। आसपास के इलाकों में गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं।

उत्तर कन्नड़ में काली नदी पर बना पुल गिरा, ट्रक ड्रायवर को बचाया

एजेंसी

करवार। देश में पुल गिरने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बिहार के बाद अब कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में भारी बारिश के कारण काली नदी के ऊपर बना पुल ढह गया है। घटना आधी रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। इस घटना में एक लॉरी ड्राइवर समेत नदी में जा गिरी। पुल गिरने के बाद यातायात बाधित हो गया है। पुल गिरने से उत्तर कन्नड़ से गोवा को जोड़ने वाला मार्ग पूरी तरह से बंद हो गई है क्योंकि यह पुल राजमार्ग 66 पर बना था। मौके पर पुलिस और प्रशासन मौजूद हैं। वहीं नदी में गिरे ड्राइवर को मछुआरों ने बचा लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक पुल चार तरफ से टूटकर नदी में गिर गया। घटना के समय पुल से एक ट्रक गोवा से कारवार की ओर आ रहा था। नदी में ट्रक गिरते ही हड़कंप मच गया। हालांकि वहां मौजूद मछुआरों ने ट्रक ड्राइवर राधाकृष्ण नाला स्वामी को बचा लिया। वह केरल का रहने वाला है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब पुल गिरा, उस समय कुछ बाइक और कार से भी लोग वहां से गुजर रहे थे। हालांकि पुल के हिलने और गिरने की आशंका से वह तेजी से निकल गए लेकिन ट्रक पानी में जा गिरा।

पहलगाम का रास्ता बंद, यात्री बालटाल के रास्ते करेंगे दर्शन

- बाबा बफार्नी के दर्शन करने 651 यात्रियों का जत्था रवाना

एजेंसी

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के रास्ते पर मरम्मत कार्य जारी है जिसको लेकर अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि अमरनाथ यात्रा अब उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग से ही होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण पहलगाम-गुफा का रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। उसे सुधारने का काम जारी है। इसलिए इस साल की बची हुई अमरनाथ यात्रा के लिए यात्री केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल-गुफा के रास्ते से ही गंतव्य स्थान पर पहुंच सकेंगे। 651 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू शहर के भगवती नगर से 14 वाहनों के काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल शिविर के लिए रवाना हुआ। बता दें अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और मंगलवार तक करीब पांच लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बफार्नी के दर्शन किए हैं। पिछले साल 4.45 लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा की थी। पुलिस और सीएपीएफ समेत बड़ी संख्या में सुरक्षा बल जम्मू से दोनों बेस कैंप तक 350 किलोमीटर से ज्यादा लम्बे मार्ग पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात हैं। इसके अलावा यात्रियों की सुरक्षा के लिए पारगमन शिविरों, आधार शिविरों और गुफा मंदिर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। गुफा में बर्फ की एक संरचना है। भक्तों का मानना ??है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

आईएएस संदीप पौंड्रिक केंद्र सरकार में सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। बिहार कैडर के आईएएस संदीप पौंड्रिक केंद्र सरकार में सचिव नियुक्त किए गए हैं। केंद्रीय लोह अयस्क मंत्रालय में वह सचिव का पद संभालेंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने इसके आदेश आदेश जारी किए हैं। संदीप पौंड्रिक बिहार कैडर के अफसर हैं। वह 1993 बैच के अधिकारी हैं। वह राजस्थान से आते हैं और काफी तेज तर्रार अफसर माने जाते हैं। संदीप बिहार सरकार के कई अहम पदों पर तैनात हैं। 2022 से उद्योग विभाग में तैनात हैं। इसके अलावा वह आईडा की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। 31 अक्टूबर 2028 को सेवानिवृत होंगे। बिहार सरकार के उद्योग अपर मुख्य सचिव जल्द ही केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले जाएंगे। केंद्र की ओर से सेक्रेटरी रैंक में इनपैनल होने के बाद पोस्टिंग कर दी गई है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक और भारतीयों पर न हो अत्याचार : बाबा रामदेव

एजेंसी

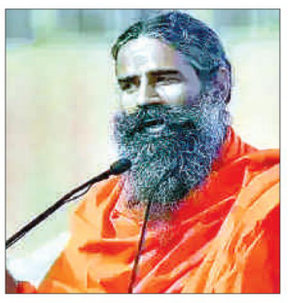

नई दिल्ली। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद फैली हिंसा में अब तक कई लोगों की जाने जा चुकी हैं। ऐसी भी खबरें सामने आ रही हैं कि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसी बीच अल्पसंख्यकों पर रहे अत्याचार को लेकर बाबा रामदेव ने चिंता जताई है।
रामदेव ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर किसी भी तरह की क्रूरता या अत्याचार नहीं होना चाहिए, चाहे वह वहां व्यापार करने वाले हिंदू हों, या वहां रहने वाले भारतीय हों। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि पहली बार पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है और यही भारत की नीति होनी चाहिए। वरना जिस तरह से कट्टरवाद दुनिया में फैल रहा है और भारत के पड़ोस में दस्तक दे चुका है, वह देश के लिए खतरनाक हो सकता है। यह एकता आने वाले समय में भी बनी रहनी चाहिए। जो लोग आरक्षण, जाति, धार्मिक कट्टरता के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं यह ठीक नहीं है। इसलिए भारत की राजनीति अहम मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

बांग्लादेश हिंसा: 29 नेताओं के शव मिले, छह जिंदा जले

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा के बीच अवामी लीग और इसकी सहयोगी पार्टियों से जुड़े 29 नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों के शव बरामद हुए हैं। इसमें अवामी लीग के 20 नेता भी शामिल हैं। शेख हसीना के पीएम पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद सतखिरा में हुए हमलों और हिंसा में कम से कम दस लोग मारे गए हैं।अवामी लीग के कई नेताओं और कार्यकताओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। पुलिस ने सतखिरा सदर और श्यामनगर पुलिस स्टेशन में भी आगजनी और लूटपाट की घटना की जानकारी दी है। कोमिला में भीड़ के हमलों में 11 लोग की मौत हो गई है। अशोकतला में पूर्व पार्षद मोहम्मद शाह आलम के घर में उपद्रवियों ने आग लगा दी जिसमें छह लोगों की जलने से मौत हो गई। उनके शव घर से बरामद किए गए। बता दें कि इनमें पांच जवान भी शामिल थे। मृतकों में शॉन (12), आशिक (14), शकील (14), रोनी (16), मोहिन (17), और महफुजुर रहमान (22) शामिल हैं।

गंगा नदी का बढ़ा जलस्तर

वाराणसी। बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर दिन ब दिन बढ़ रहा है। वाराणसी के घाटों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है जिसके चलते प्रशासन ने गंगा आरती का स्थान बदल दिया है। बाढ़ के कहर के कारण घाट पर होने वाली संध्या आरती प्रभावित हो रही है। गंगा आरती के स्थान को पांचवी बार बदला गया। हालत यह है कि दशाश्वमेध घाट पर होने वाली आरती को छत पर कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक हर साल की तरह इस साल भी गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पानी काफी ऊपर आ गया है। घाट पर स्थान काफी सीमित हो गया, जगह छोटी पड़ रही है, भीड़ काफी हो रही थी।

डेढ़ लाख लोग रोज कर रहे रामलला का दर्शन

एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में जब से रामलला अपने मंदिर में विराजमान हुए हैं, तब से लेकर अयोध्या राम भक्तों से गुलजार रहती है। अयोध्या धाम में 2023 तक प्रतिवर्ष 20 लाख श्रद्धालु आते थे, लेकिन 22 जनवरी से 31 जुलाई तक ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में आगमन हुआ है। यानी औसतन एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु प्रतिदिन रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। यह श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के सुमग व भव्य दर्शन कर ही रहे हैं, साथ ही नई भव्य-दिव्य और नव्य अयोध्या को देखकर अभिभूत भी हो रहे हैं। दरअसल अयोध्या में देर रात धर्मपथ पर श्रीराम हेरिटेज वॉक का लोकार्पण करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम हेरिटेज वॉक का लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कहा कि आज का कार्यक्रम दिव्य, भव्य, नव्य अयोध्या को नया स्वरूप प्रदान करने का हिस्सा है। सीएम योगी ने कहा कि पावन अयोध्या धाम देश-दुनिया में अपने भव्य व आधुनिकतम स्वरूप के रूप में नई पहचान बना रहा है। पीएम मोदी ने विरासत व विकास के जिस क्रम को देश के अंदर बढ़ाया है, वह 10 वर्ष के अंदर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा है। नई अयोध्या भारत के विरासत व विकास की अनुपम छटा बिखेरते हुए देश-दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि धर्म पथ पर बने म्यूरल्स प्रभु राम की उन लीलाओं को दिखा रहे हैं, जो उन्होंने वनवास और रामराज्य की स्थापना के दौरान स्थापित की थी। अयोध्या में फोरलेन कनेक्टिविटी, 500 वर्ष का इंतजार समाप्त कर प्रभु श्रीराम के दिव्य-भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने का कार्य हो।

अंदर ही अंदर कुछ तो सुलग रहा है, बांग्लादेश जैसे हालात यहां भी हो सकते हैं : सलमान खुर्शीद

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसा का दौर जारी है। भारत को बांग्लादेश के बिगड़े हालात की चिंता है। वहां अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने एक विवादित बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में भी हो सकती है। उन्होंने ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश जैसे हिंसक विरोध प्रदर्शन भारत में भी हो सकते हैं, भले ही अभी सब सामान्य दिख रहा है। एक कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य लग सकता है। उन्होंने कहा कि हम जीत का जश्न मना रहे हैं, हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि 2024 में जीत बहुत मामूली थी और अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। खुर्शीद ने कहा कि सच्चाई यह है कि अंदर ही अंदर कुछ तो सुलग रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह यहां भी हो सकता है। हमारा देश इतना बड़ा है कि बांग्लादेश जैसी स्थिति नहीं हो पाती है। खुर्शीद ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में सीएए-एनआरसी कानून के खिलाफ दक्षिण पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग में हुए विरोध प्रदर्शन ने देशभर में इसी तरह के प्रदर्शनों को प्रेरित किया था। सौ दिन तक चले इस आंदोलन को खुर्शीद ने असफल बताया क्योंकि कई लोग अभी भी जेल में हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन बाग जैसा आंदोलन आज देश में नहीं हो सकता। खुर्शीद ने कहा कि क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं कहूं कि शाहीन बाग विफल रहा? हम में से बहुत से लोग मानते हैं कि शाहीन बाग सफल रहा है लेकिन मैं जानता हूं कि शाहीन बाग से जुड़े लोगों के साथ क्या हो रहा है, उनमें से कितने लोग अभी भी जेल में बंद हैं, उनमें से कितनों को जमानत नहीं मिल पा रही है और कितनों को इस देश का दुश्मन बताया जा रहा है।

बांग्लादेश से 199 भारतीय सुरक्षित लौटे

नई दिल्ली। बांग्लादेश में फैली अराजकता के चलते वहां के हालात काफी खराब हैं जिसके चलते वहां रह रहे भारतीय वापस लौटने को मजबूर हैं। उन्हें वापस लाने के लिए एयर इंडिया बुधवार को दिल्ली से ढाका के लिए अपनी उड़ानें चलाएगा और बांग्लादेश की राजधानी ढाका से भारतीय लोगों को वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान भी संचालित करने की संभावना है। इसी बीच ढाका से एक एयर इंडिया की फ्लाइट दिल्ली पहुंची है। जिसमें करीब 199 भारतीय स्वदेश लौटे हैं। वहीं खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान बुधवार को बांग्लादेश लौट रहे हैं। वह शाम को ढाका में एक रैली में शामिल होंगे।

क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को लुभाने में जुटे ट्रंप

एजेंसी

न्यूयॉर्क । डोनाल्ड ट्रम्प ने क्रिप्टो सम्मेलन में भीड़ से कहा कि अपना बिटकॉइन कभी न बेचें। ट्रंप का भाषण नवंबर के चुनाव से पहले क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को आकर्षित करने के उनके प्रयास में नवीनतम प्रस्ताव था और उन्होंने राज्य बिटकॉइन रिजर्व की योजना सहित कई अभियान वादे पेश किए। ट्रम्प ने कहा कि यदि निर्वाचित होते हैं, तब यह मेरे प्रशासन की नीति होगी कि अमेरिकी सरकार वर्तमान में जो भी बिटकॉइन रखती है या भविष्य में अर्जित करती है, उसका 100 प्रतिशत अपने पास रखेगी। यह धनराशि रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार के मूल के रूप में काम करेगी। दरअसल, ट्रंप इकलौते नहीं हैं। अमेरिकी सीनेटर सिंथिया लुमिस ने कानून पेश किया है जिसके तहत अमेरिकी सरकार एक मिलियन बिटकॉइन खरीदेगी, जो कुल आपूर्ति का लगभग 5 प्रतिशत है, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने चार मिलियन बिटकॉइन के सरकारी भंडार का सुझाव दिया है। रणनीतिक रिजर्व अमेरिकी सरकार द्वारा रखी गई बड़ी मात्रा में बिटकॉइन का एक उपयोग होगा। हालाँकि, जूरी इस पर निर्णय नहीं ले रही है कि इसका उपयोग किस लिए किया जाएगा, क्या यह संभव है, या क्या यह व्यापक क्रिप्टो बाजार के लिए स्वागतयोग्य है।
रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सरकार के पास क्रिप्टो का बंपर कैश है। लगभग 11.1 बिलियन डॉलर मूल्य जिसमें 203,239 बिटकॉइन टोकन शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह ढेर आपराधिक बरामदगी से आया है, जिसमें ऑनलाइन मार्केटप्लेस सिल्क रोड भी शामिल है, जिसे 2013 में बंद कर दिया गया था।

सुनीता और बैरी विल्मोर को लाने बोइंग ने बनाया नया प्लान

एजेंसी

वाशिंगटन । सिर्फ 12 दिन शेष इसलिए नासा की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। दरअसल भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष में फंसे हैं। 2 माह से उन्हें धरती पर लाने की कोशिशें हो रही हैं। अब नासा ने बोइंग स्टारलाइनर के साथ मिलकर एक नया प्लान बनाया है। बोइंग के मुताबिक, उनके एक्सपर्ट ने 100,000 से ज्यादा कम्यूटर सिमुलेसंस किए हैं, जो बिल्कुल सटीक हैं। कोई खराबी नहीं आई। इस सिस्टम से हम अंतरिक्ष यात्रियों को आसानी से धरती पर उतार सकते हैं।
सुनीता और विल्मोर बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान से अंतरिक्ष में गए थे। फिलहाल दोनों इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं, क्योंकि अंतरिक्ष यान में खराबी आ गई थी। अब कम?यूटर सिमुलेसंस से पता चला है कि 28 में से 27 रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह फिट हैं, उनमें कोई खराबी नहीं आई है। जिस तरह से उन्हें भेजा गया, ठीक उसी तरह से वे लौटे हैं। इससे साफ हो गया है कि अगर इस सिस्टम के जरिए दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोशिश की जाती है, कोई दिक्कत नहीं आएगी।
स्पेसक्राफ्ट में आई खराबी की

पहचान करने के लिए बोइंग के एक्सपर्ट ने एक दो नहीं बल्कि 100,000 से ज्यादा कम्यूटर सिमुलेसंस किए। हर लाइनअप की बारीकी से पड़ताल की गई। जानने की कोशिश की गई कि जब स्पेस स्टेशन से अनडॉक किया जाएगा, धरती के वायुमंडल में प्रवेश होगा, और महासागर के ऊपर ले जाया जाएगा, तो कैसी स्थिती बनेगी। इसके लिए रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम के 7 ग्राउंड टेस्ट किए गए। एक फ्री फ्लाइट भी की गई। बोइंग ने कहा, हमारा सिस्टम फुलप्रूफ नजर आ रहा है। उम्मीद है कि हम जल्द अपने मिशन में कामयाब होंगे। बोइंग नासा के साथ मिलकर अभी स्पेसक्राफ्ट के डेटा का विश्लेषण कर रहा है। क्योंकि कैप्सूल के थ्रस्टर्स में विस्फोट और हीलियम लीक होने की वजह से जो मिशन सिर्फ 8 दिन का था, अब 60 दिन से अधिक का हो गया है।
नासा की पहली कोशिश दोनों एस्ट्रोनॉट को धरती पर लाना है। लेकिन यह इतना आसान भी नहीं है। नासा में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के प्रोग्राम मैनेजर डाना वीगेल ने कहा, सबसे पहले हमारी योजना डॉकिंग पोर्ट को खाली करना है। वहां जो बोइंग स्टारलाइनर पड़ा हुआ है, हटाना होगा। क्योंकि तभी कोई दूसरा कैप्सूल वहां जाएगा। स?पेस स्टेशन से डॉकिंग करेगा और इन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आएगा।

दिल्ली में मुख्यमंत्री नहीं आतिशी फहराएंगी तिरंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को एक पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि इस बार 15 अगस्त को दिल्ली में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी झंडा फहराएंगी। दरअसल दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर हर साल दिल्ली सरकार छत्रसाल स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित करती है। जिसमें सीएम अरविंद केजरीवाल झंडा फहराते हैं, लेकिन इस बार सीएम केजरीवाल जेल में हैं। इसलिए उन्होंने अपनी कैबिनेट मंत्री आतिशी को झंडा फहराने की जिम्मेदारी सौंपी है। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते सोमवार को सीबीआई द्वारा की गई सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहराया है। हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई के कृत्यों में कोई दुर्भावना नहीं है, जिसने दिखाया है कि आप सुप्रीमो कैसे उन गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सकते हैं। बता दें सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था जब वह ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में थे।

खास खबर

पदक तालिका में नंबर एक पर कायमअमेरिका

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में अमेरिका अभी भी सबसे ज्यादा स्वर्ण के साथ ही नंबर एक पर बना हुआ है। अमेरिका के 24 स्वर्ण, 31 रजत और 31 कांस्य पदकों के साथ ही कुल 86 पदक हो गये हैं। वहीं चीन 22 स्वर्ण, 21 रजत और 16 कांस्य पदकों के साथ ही 59 पदक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 14 स्वर्ण , 12 रजत और 9 कांस्य के साथ ही कुल 35 लेकर तीसरे स्थान पर है जबकि मेजबान फ्रांस 13 स्वर्ण, 16 रजत और 19 कांस्य के साथ ही कुल 48 पदकों के साथ चौथे स्थान पर फिसल गया है। इसके अलावा ब्रिटेन 12 स्वर्ण, 15 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीतकर पांचवें स्थान पर है। भारत अब तक केवल 3 कांस्य पदक के साथ ही 63वें स्थान पर बना हुआ है। पदक तालिका इस प्रकार है।

मुख्य कायाकर्री का पद छोड़ देंगे हॉकले

8 मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा है कि वह इस सत्र के बाद अपने पद पर नहीं रहेंगे। हॉकले पिछले पांच साल से मुख्य कार्यकारी बने हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय से सीए से जुड़े हॉकले ने साल 2020 में केविन रॉबर्टस के इस्तीफे के बाद ही मुख्य कार्यकारी का पद संभाला था।
हॉकले ने कहा, ह्यवह फैसला करना मेरे लिए कठिन रहा है पर इन गर्मियों में शानदार क्रिकेट सत्र के वादे और अपनी पांच वर्ष की रणनीतिक योजना को आगे बढ़ाने के बाद नई चुनौती को स्वीकार करने का यह सही समय है। उन्होंने साथ ही कहा, ह्यअभी पद छोड़ना सही नहीं है क्योंकि मेरा पूरा ध्यान आगामी सत्र और बोर्ड में ठीक से कामकाज के तरीके में बदलाव करने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर है।

ओलंपिक खेलों में व्हेल देखकर हैरान हुए प्रतियोगी

ताहिती । पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान सेमीफाइनल में एक व्हेल देखकर सभी हैरान हो गये। इस दौरान ब्राजील की तातियाना वेस्टन वेब और कोस्टा रिका की ब्रिसा हेनेसी तैराकी मुकाबले में प्रतिस्पर्धा कर रहीं थीं। व्हेल हालांकि खिलाड़ियों से सुरक्षित दूरी पर थी और इसलिए प्रतियोगिता जारी रही। इस दौरान दर्शकों और फोटोग्राफरों की नजरें व्हेल पर लग गई और उन्होंने इसकी तस्वीरें ले लीं।

400 मीटर दौड़ से बाहर हुई किरण

पेरिस । भारत की किरण पहल पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गयी हैं। किरण महिलाओं की 400 मीटर दौड़ के रेपेचेज चरण में अपनी हीट में छठे स्थान पर रहीं थीं , इस कारण वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो गयीं। किरण अपनी हीट में 52.59 सेकेंड के समय के साथ छह खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर रहीं। वह कुल 26 खिलाड़ियों में 23वें स्थान पर रही। रेपेचेज दौर की चार हीट में से सभी में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों के अलावा सर्वश्रेष्ठ समय निकालने वाली दो अन्य एथलीटों को सेमीफाइनल में जगह मिली है। वहीं गत दिवस वह 52.51 सेकेंड का समय निकालकर अपनी हीट में सातवें पायदान पर रहीं थी। किरण को राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 50.92 सेकंड का सर्वश्रेष्ठ समय निकलने के कारण पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश मिला था।

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर स्वदेश लौटीं मनु भाकर, जोरदार स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतने के बाद बुधवार को स्वदेश लौट आई हैं। उनका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ।

ढोल-नगाड़ों के साथ मनु भाकर व उनके कोच जसपाल राणा का लोगों ने भव्य स्वागत किया और दोनों को फूल-मालाओं में लाद दि?या। लोग मनु भाकर के साथ सेल्फी ले रहे थे। भव्य स्वागत पर मनु भाकर बहुत खुश दिख रही थीं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह बहुत खुश हैं। लोगों का इतना प्यार मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि 22 वर्षीय मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का पेरिस ओलंपिक में खाता खोला था। इसके बाद उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता।
इससे वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय बन गईं। इसके बाद उनके पास तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर एकमात्र भारतीय बनने का इतिहास रचने का मौका था लेकिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में वह मामूली अंतर से चूक गईं थीं और चौथे स्थान पर रही थीं।

भारत, यूएई और श्रीलंका में हो सकता है अगला महिला टी20 विश्वकप : आईसीसी

एजेंसी

दुबई । बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद खराब होते हुए हालातों के बीच ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अब अगले साल होने वाले टी-20 महिला विश्वकप का आयोजन वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है। आईसीसी के अनुसार इसके लिए भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका के नाम तय किये गये हैं। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा और वहां के खराब होते हुए माहौल पर नजर रखी जा रही हैं। वहीं आईसीसी की ओर से एक बयान में कहा गया, आईसीसी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं सभी टीमों की सुरक्षा और देखभाल को लेकर है। बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। साथ ही कहा कि इस तरह के हालातों से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में तय किया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है।

फाइनल से पहले फोगाट ओलंपिक से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय लोगों के लिए पेरिस ओलंपिक से बुरी खबर आई है। गोल्ड मेडल वाले मुकाबले से ठीक पहले विनेश फोगाट और भारत को झटका लगा है। वजन ज्यादा होने की वजह से विनेश फोगाट अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इससे गोल्ड जीतने की भारतीयों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। दरअसल, विनेश अपने ऐतिहासिक गोल्ड मेडल से मात्र एक जीत दूर थीं, लेकिन गोल्ड मेडल मुकाबले से ठीक पहले वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है। विनेश ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर महिलाओं के फ्री स्टाइल 50 किग्रा के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी। जानकारी के मुताबिक विनेश का वजन तय मानक से 50 से 100 ग्राम ज्यादा था। विनेश ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में जापान की ओलम्पिक चैंपियन युई सुसाकी के खिलाफ उलटफेर करते हुए 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

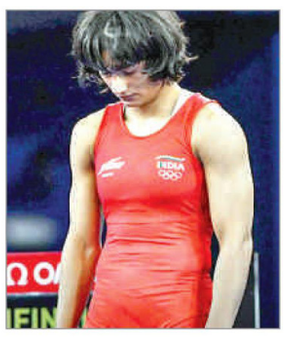

भारत ने जताया कडा.विरोध

नयी दिल्ली। सरकार ने कहा है कि विनेश फोगाट को तकनीकी आधार पर 50 किलोग्रामी श्रेणी की कुश्ती के फाइनल में खेलने के लिए अयोग्य घोषित किये जाने का भारतीय ओलम्पिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में इस बारे में दिये एक बयान में बुधवार को कहा कि विनेश का वजन 50 किलो 100 ग्राम पाया गया इसलिए उन्हें अयोग्य घोषित किया गया है। स्पर्धा के लिए वजन निर्धारित 50 किलोग्राम होना अनिवार्य है लेकिन फोगाट का वजन सौ ग्राम ज्यादा पाया गया इसलिए उन्हें बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को भारत सरकार ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। भारतीय ओलम्पिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से इसका कड़ा विरोध किया है। भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा भी पेरिस में है और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे इस बारे में बात की है और उचित कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

आरसीबी जा सकते हैं केएल राहुल

एजेंसी

मुम्बई । आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम ।

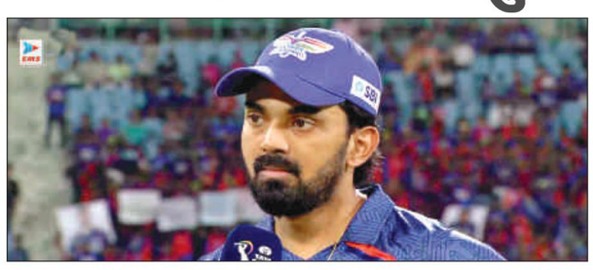

टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है।

बांग्लादेश में टी20 महिला विश्वकप के आयोजन पर संशय छाया

एजेंसी

ढ़ाका । बांग्लादेश में जारी हिंसा और बदलते हुए घटनाक्रम को देखते हुए अब अगले साल वहां टी20 विश्वकप का होना संभव नजर नहीं आ रहा है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में अराजकता और लूटपाट का माहौल है। देश में अब सेना के साथ में सत्ता आ गयी है।
इसको लेकर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर जिस प्रकार के हालात है उसमें किसी भी देश के खिलाड़ी वहां का दौरा नहीं करना चाहेंगे। पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में हुई आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश में खराब माहौर को लेकर बात उठी थी। आईसीसी का कहना है कि स्थिति पर उसकी नजरें लगी हैं। अभी आयोजन में कई माह शेष हैं, ऐसे में अभी से कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। साथ ही कहा कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो किसी अन्य स्थान पर विश्वकप का आयोजन होगा। अगर विश्वकप की मेजबानी नहीं मिलती है तो ये बांग्लादेश महिला क्रिकेट के लिए बड़ा झटका होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। अब इसके लिए अन्य स्थलों को भी देखा जाएगा।

अल्जीरियाई मुक्केबाज ईमान फाइनल में पहुंची

पेरिस । पेरिस ओलंपिक 2024 में जेंडर विवाद में फंसी अल्जीरियाई मुक्केबाज ईमान खलीफा फाइनल में पहुंच गयी है। ईमान ने पेरिस ओलंपिक में 66 किलो भारवर्ग के फाइनल में जगह बनायी है। ईमान ने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड की जनजेम सुवानाफेंग को 5-0 से हराया। ईमान को लेकर विवाद इटली की एंजेला कैरिनी के साथ हुए पहले ही मुकाबले में उठा था। तक उसने विरोधी मुक्केबाज को केवल 46 सेकंड में ही हरा दिया था। इस टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में जब ईमान इटली की मुक्केबाज एंजेला कैरिनी के खिलाफ खेलने उतरी थी तो जोरदार पंच पड़ने के बाद विरोधी की नाक टूट गई। ईमान के मुक्के के बाद कैरिनी मैच से हट गयीं थीं। तभी से जेंडर विवाद गहराया था और उसे महिला वर्ग में उतारने पर सवाल उठे थे।

हमेशा से ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहता था : नीरज

एजेंसी

पेरिस । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए कहा है कि उनका प्रयास एक ही शॉट में फिनिश करना रहता है। नीरज ने कहा कि वह हमेशा ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहते हैं हालांकि ये हमेशा ही काम नहीं आता। चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो किया जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उन्होंने इस प्रदर्शन के बाद कहा, मैं पहले प्रयास में अच्छा करने की कोशिश करता हूं पर यह हमेशा प्रभावी नहीं होता।उन्होंने कहा, ऐसा पहले भी हुआ है जब मेरा शुरूआती थ्रो अच्छा नहीं रहा है पर मैं पहले प्रयास में बेहतर करने की कोशिश करता हूं। चोपड़ा के प्रदर्शन ने उनकी चोट को लेकर चिंताओं को भी दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को होने वाले फाइनल को लेकर बेहतर हालत में थी। इस खिलाड़ी ने कहा, ह्यमैं अब बेहतर हूं। मैं फाइनल पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं इसे ध्यान में रखने और ठीक से अभ्यास करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।

चोपड़ा ने स्वीकार किया कि फाइनल में चुनौती पूरी तरह से अलग होगी। उन्होंने कहा, ह्यफाइनल में हर किसी की मानसिकता अलग होती है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमने अच्छी शुरूआत की है और हम फाइनल के लिए जितना बेहतर तैयार होंगे, उतना बेहतर होगा। उन्होंने कहा, मैं बहुत आश्वस्त हूं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हूं। मैं फाइनल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बेहतर तैयारी के साथ आने की कोशिश करूंगा।

अब एसए-20 में पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलेंगे कार्तिक

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अब दक्षिण अफ्रीका के एसए-20 टूनार्मेंट में खेलते नजर आयें। एसए-20 टूनार्मेंट अगले साल नौ जनवरी से शुरू होगा। कार्तिक इसमें पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलेंगे। वह इस टूनार्मेंट में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे। कार्तिक ने इस साल जून में ही खेल को अलविदा कहा था। उसके बाद से ही वह एसए-20 में खेल रहे हैं। वहीं रॉयल्स फ्रैचाइजी के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कार्तिक का टीम में स्वागत करते हुए कहा, ह्यकार्तिक सीमित ओवर के एक दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके लंबे अनुभव से हमारी टीम को लाभ होगा। इस अवसर पर कार्तिक ने कहा, ह्यदक्षिण अफ्रीका में मेरी बहुत ही अच्छी यादें रही हैं और जब मुझे खेलने का ये अवसर मिला तो मैं मना नहीं कर सका। मैं प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी को लेकर उत्साहित हूं।

कार्तिक के पास टी-20 प्रारुप का अच्छा खास अनुभव है। वह अभी स्काई स्पोर्ट्स के लिए द हंड्रेड की कमेंट्री कर रहे हैं। कार्तिक ने अब तक कुल 401 टी-20 मैच खेले हैं। आईपीएल में वह कोलकाता नाइट राइडर्स सहित छह टीमों में शामिल रहे हैं। कार्तिक आईपीएल में सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक थे। कार्तिक ने भारतीय टीम की ओर से 180 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने अपने आखिरी आईपीएल सत्र 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु की ओर से खेला था। आरसीबी ने उन्हें 2025 के आईपीएल सत्र के लिए मेंटॉर और बल्लेबाजी कोच के रूप में साइन किया है।

ओलिम्पिक पदक के सपने को पूरा करने में शरीर को चुकानी पड़ रही भारी कीमत : पाजोन

एजेंसी

पेरिस । ओलंपिक में पदक जीतने हर खिलाड़ी का सपना होता है और इसके लिए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं पर कई बार इसकी उन्हें भारी कीमत भी चुकानी पड़ती है। ओलंपिक में खिलाड़ियों के चोटिल होने का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। कोलम्बियाई मूल की मारियाना पाजोन दुनिया की सबसे कुशल बीएमएक्स. राइडर्स में से एक हैं और उसके नाम दो ओलंपिक स्वर्ण पदक सहित कई रिकार्ड हैं पर पाजोन ने इसे पाने के लिए काफी दर्द भी झेला है। उनके शरीर में 25 फ्रैक्चर हो चुके हैं। 12 जगह स्क्रू डाले गए हैं जबकि 8 बार सर्जरी हुई है। उनके बाएं हाथ और घुटने में कई

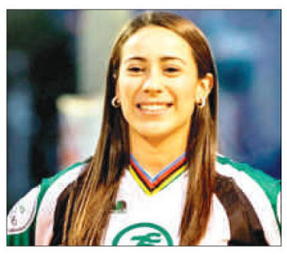

धातु की रॉड डली हुई है। पाजोन का कहना है कि उसके जोड़ 80 से अधिक साल के व्यक्ति की तहर हो गये हैं जबकि उनकी उम्र केवल 32 साल ही है। पाजोन के अलावा, कुश्ती, रग्बी या जिमनास्टिक के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके शरीर कठिन हालातों में है। कई खिलाड़ियों के कंधे टूट जाते हैं। उनके शरीर में धातु के स्क्रू और टाइटेनियम प्लेट्स डली हुई हैं। पाजोन ने कहा कि एक सपने को हासिल करने के लिए शरीर को कितनी कीमत चुकानी पड़ती है ।वहीं टोक्यो में फ्रीस्टाइल कुश्ती 74 किलोग्राम में कांस्य पदक जीतने वाले अमरीकी काइल डेक ने कहा कि बहुत से एथलीट्स अपने शरीर को उस हाल तक ले जाते हैं जहां वह देखना चाहते हैं कि इससे आगे क्या होगा। इसी तरह जिम्नास्टिक में जोड़ों पर लगातार भारी दबाव पड़ता है। मुक्केबाजी में शरीर पर घूंसे मारे जाते हैं। कुश्ती में शरीर को मोड़कर चटाई पर पटक दिया जाता है। रग्बी सेवन्स में खिलाड़ी अक्सर पूरी गति से दौड़ते हुए एक-दूसरे से निपटते हैं।

हॉकी के फाइनल में पहुंचा जर्मनी, बढ़त बनाने के बाद हारी भारतीय टीम

एजेंसी

पेरिस। जर्मनी ने हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को हराकर पेरिस ओलंपिक 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं भारतीय हॉकी टीम के लिए इस हार के बाद पेरिस ओलंपिक का सफर थम गया है।कांटे की इस टक्कर में पहला गोल कर बढ़त बनाने वाली हॉकी इंडिया आखिरी के छह मिनटों में गोल नहीं कर पाने की वजह से पेरिस ओलंपिक में पदक की रेस से बाहर हो गई। हालांकि पूरा मैच जर्मनी के डिफेंस और भारतीय आक्रमण के लिए याद किया जाएगा।भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में शुरूआत से ही तेजी दिखाई

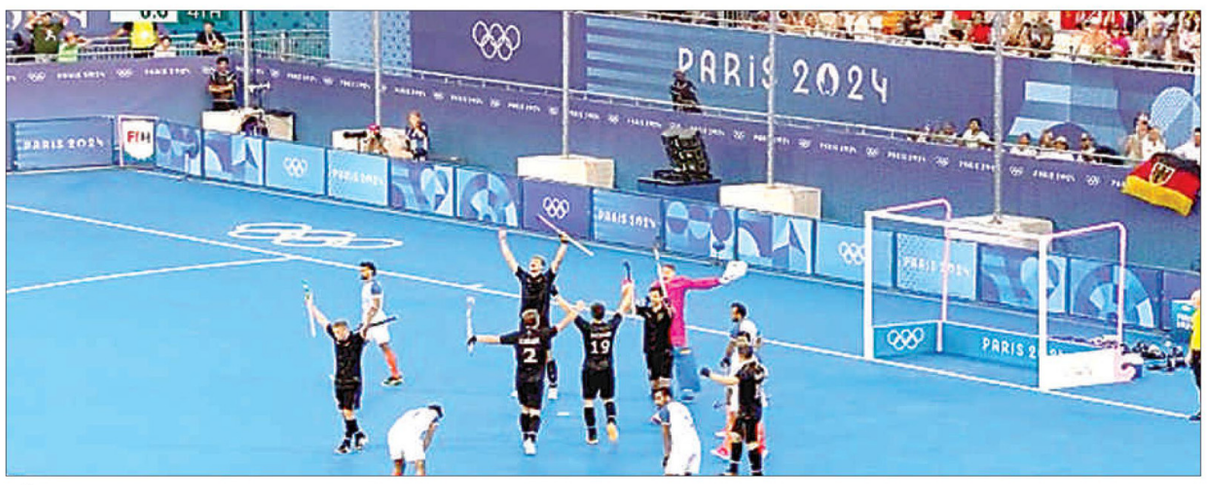

और पहले क्वार्टर में ही 1-0 की बढ़त बनाई। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को भुनाते हुए गोल किया और भारत को बढ़त दिलाई। हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक का यह आठवां गोल रहा। वहीं जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जर्मनी के लिए 18वें मिनट में गोंजालो पिलाट ने गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में ही मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर क्रिस्टोफर रुएहर ने शानदार गोल दागा और टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। क्वार्टर के 27वें मिनट में जर्मनी के लिए यह गोल आया।पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त बनाने के बाद दूसरे क्वार्टर में 2-1 पिछड़ी भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में वापसी की। मैच के 36वें मिनट में सुखजीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दीलल किया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। फिर करीब 17 मिनट तक दोनों टीमें बढ़त बनाने की कोशिश करती रहीं लेकिन सफलता नहीं मिली। लेकिन मैच में जब आखिरी 6 मिनट शेष थे तब 54वें मिनट में जर्मनी के लिए मार्को मिल्टकाउ ने गोल दागा और जर्मनी को भारत पर 3-2 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। आखिर यह स्कोर का यह आकड़ा अपरिवर्तनीय रहा और जर्मनी ने मैच अपने नाम किया।

मांट्रियल में अमेरिका के एलेक्स मिकेलसन फोरहेंड शॉट लगाते हुए।

दूधनाथ मंदिर की रोचक कथा: कुदाल लगते ही शिवलिंग से बही दूध की धारा

बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर छपरा, बिहार में स्थित है। सावन के महीने में बाबा दूधनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ता है। दूधनाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। बाबा के अद्भुत चमत्कार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां सन 1934 में बड़ा भूकम्प आया था लेकिन यहां कोई नुकसान नहीं हुआ। आइए, जानते हैं बाबा दूधनाथ मंदिर की खास बातें।

सावन की तीसरी सोमवारी पर मुशहरी प्रखंड के बादुर छपरा स्थित बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर में लगभग एक लाख शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। इनमें पहलेजा घाट से पैदल आए साठ हजार से अधिक कांवरिया भी थे। इसके अलावा बूढ़ी गंडक नदी के आथरघाट से भी जल लेकर आसपास के गांवों के हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। दूधनाथ महादेव मंदिर की कहानी बहुत ही रोचक है। आइए, जानते हैं दूधनाथ मंदिर की कथा।

शिवलिंग हुआ था प्रकट

मंदिर के पुजारी विमल दास ने बताया कि आधी रात से ही कांवरिए मंदिर में पहुंचने लगे थे। 2 बजे से जलाभिषेक शुरू हुआ, जो सोमवार को पूरे दिन जारी रहा। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड अंतर्गत छपरा मेघ गांव में बाबा दूधनाथ का विशाल मंदिर है। इस मंदिर से जुड़ी कई कहानी और परंपराएं हैं। यही कारण है कि बाबा दूधनाथ के प्रति भक्तों की श्रद्धा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस मंदिर के पुजारी बताते हैं कि महादेव का शिवलिंग मंदिर में उसी स्थान पर निकला था, जहां पर यह बाबा का मंदिर विराजमान है।

दूधनाथ मंदिर की अद्भुत कथा

पंडित विमल दास बताते हैं कि मंदिर प्रांगण में मौजूद पोखर की खुदाई सैकड़ों साल पहले हो रही थी। उसी दौरान खुदाई करने वाले मजदूर ने जब मिट्टी पर कुदाल चलाया, तब जाकर बाबा का शिवलिंग प्रकट हुआ। शिवलिंग पर कुल्हाड़ी लगने से शिवलिंग से दूध की धार निकलने लगी। उस वक्त गांव वाले बेहद आश्चर्य हुआ। देखते ही देखते चारों तरफ यह बात फैल गई कि तब से इस शिवलिंग को दूधनाथ कहा जाने लगा। इसके बाद एक दिन महंत को स्वप्न आया, जिसमें महादेव ने कहा कि शिवलिंग को स्थापित कर मंदिर बनाओ। महादेव के शिवलिंग पर आज भी कुल्हाड़ी के निशान है। उसके बाद ग्रामीणों ने मंदिर की स्थापना की। 1934 के भूकंप में मंदिर को कुछ नुकसान नहीं हुआ। वही, आसपास के घर जमींदोज हो गए, तब से मंदिर के प्रति लोगो कि आस्था और बढ़ गई।

सावन के विशेष दिन की महत्ता

सावन की सोमवारी का दिन शिव भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन विशेष रूप से महादेव के भक्त नदी, तालाब या अन्य जल स्रोतों से जल लेकर शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। यह दिन विशेष रूप से शिवभक्तों के लिए तप और भक्ति का प्रतीक होता है, और इस दिन बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि भक्तों की आस्था और भक्ति अटूट है।

सावन महीने में तीसरे सोमवार के दिन जलाभिषेक के दौरान बिहार के मुशहरी प्रखंड के बादुर छपरा स्थित मंदिर प्रांगण में भव्य झांकियां सजाई गई थीं और भक्ति गीतों की धुनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। भक्तों ने दर्शन पूजन के साथ-साथ भगवान शिव से सुख-समृद्धि और मोक्ष की कामना की।

बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर की कथा और सावन की सोमवारी पर श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब यह दर्शाता है कि भक्ति और आस्था की कोई सीमा नहीं होती। मंदिर की ऐतिहासिक कथा और इसके साथ जुड़ी चमत्कारिक घटनाएं भक्तों को बार-बार यहां आकर्षित करती हैं। इस विशेष दिन पर मंदिर में उमड़े भक्तों की संख्या यह साबित करती है कि बाबा दूधनाथ के प्रति श्रद्धा और भक्ति की लहर निरंतर बढ़ रही है।

भगवान शिव का विशेष मंदिर जिसे देवशिल्पी विश्वकर्मा ने बनाया था

भगवान राम ने भी यहां की थी पूजा

भगवान शिव का यह विशेष मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में देवकुंड नामक स्थान पर स्थित है। पुराणों के अनुसार, कभी यहां घना जंगल हुआ करता था और यहां च्यवन ऋषि का आश्रम था। उन्होंने यहां एक सरोवर की स्थापना की थी। कहते हैं, त्रेता युग में भगवान राम यहां आए थे और उन्होंने इस सरोवर में स्नान कर च्यवन ऋषि का आशीर्वाद लिया था।

भगवान शिव का प्रिय महीना सावन 22 जुलाई से शुरू हो गया है और इसका समापन 19 अगस्त, 2024 को होगा। इस बार सावन का महीना सोमवार से शुरू हुआ और सोमवार से समाप्त होगा, जो अपने आप में एक विशेष संयोग है। मान्यता है कि इस पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा और आराधना से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आइए इस अवसर पर जानते हैं, देवाधिदेव भगवान शिव के एक विशेष मंदिर के बारे में जिसे देवशिल्पी विश्वकर्मा जी ने बनाया था और भगवान राम यहां पूजा की थी।

बिहार में देवकुंड स्थित है यह मंदिर

भगवान शिव का यह विशेष मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में देवकुंड नामक स्थान पर स्थित है। पुराणों के अनुसार, कभी यहां घना जंगल हुआ करता था और यहां च्यवन ऋषि का आश्रम था। उन्होंने यहां एक सरोवर की स्थापना की थी। कहते हैं, त्रेता युग में भगवान राम यहां आए थे और उन्होंने इस सरोवर में स्नान कर च्यवन ऋषि का आशीर्वाद लिया था।

भगवान राम ने स्थापित किया विशेष शिवलिंग

देवकुंड के इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग को दूधेश्वरनाथ महादेव कहते हैं। मान्यता है कि यह शिवलिंग यहां त्रेता युग से स्थापित है। कहते हैं, च्यवन ऋषि के कहने पर भगवान राम ने शिवलिंग की स्थापना करके पूजा अर्चना की थी। यह शिवलिंग नीलम पत्थर से निर्मित है, जो दुर्लभ है। यह देश का इकलौता शिव मंदिर है, जहां नीलम शिवलिंग स्थापित है। कहते हैं, जो भक्त सच्चे से दूधेश्वर महादेव की पूजा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी हो जाती हैं।

एक ही रात में बनकर तैयार हुआ मंदिर

देवकुंड मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यह मंदिर एक ही रात में बनकर तैयार हुआ है, जिसे स्वयं देवताओं के वास्तुकार और देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने तैयार किया था। इसकी एक और विशेषता यह है कि यह विशाल मंदिर एक ही पत्थर को तराश कर बनाया गया है। केवल यही नहीं बल्कि औरंगाबाद जिले में ही स्थित देव नामक जगह पर स्थित सूर्य मंदिर का निर्माण भी एक ही रात में हुआ था।

सावन में कांवड़ यात्री करते हैं जलाभिषेक

इस मंदिर में हर महीने की दोनों त्रयोदशी यानी प्रदोष व्रत और मासिक शिवरात्रि के दिन विशेष पूजा की जाती है। साथ ही महाशिवरात्रि और सावन माह में यहां भक्तों की खास भीड़ उमड़ती है।

सावन में कांवड़ यात्री बिहार की राजधानी पटना के पास बहती गंगा नदी का पवित्र जल कांवड़ से रोकर देवकुंड मंदिर के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। यह दूरी लगभग 115 किलोमीटर पैदल है। यहां यह परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है जो अनवरत जारी है।

बुरी आत्माओं से हैं परेशान तो करें इन मंदिरों के दर्शन

भागते हैं भूत-प्रेत और बाधा

आज के आधुनिक युग में भूत-प्रेत जैसे अदृश्य अस्तित्वों पर विश्वास करना अजीब लग सकता है। पढ़े-लिखे लोग अक्सर इसे अंधविश्वास मानते हैं। कुछ लोगों की धार्मिक श्रद्धा और पारंपरिक मान्यताएँ उन्हें इन आत्माओं की वास्तविकता में विश्वास दिलाती हैं। भारत के कई गांवों और छोटे कस्बों में भूत-प्रेत से मुक्ति पाने के लिए विभिन्न धार्मिक स्थल और उपाय प्रचलित हैं। आज भारत के उन मंदिरों की जानकारी जहां भूत-प्रेत से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाता है।

आज के आधुनिक युग में भूत-प्रेत जैसे अदृश्य अस्तित्वों पर विश्वास करना अजीब लग सकता है। पढ़े-लिखे लोग अक्सर इसे अंधविश्वास मानते हैं। कुछ लोगों की धार्मिक श्रद्धा और पारंपरिक मान्यताएँ उन्हें इन आत्माओं की वास्तविकता में विश्वास दिलाती हैं। भारत के कई गांवों और छोटे कस्बों में भूत-प्रेत से मुक्ति पाने के लिए विभिन्न धार्मिक स्थल और उपाय प्रचलित हैं। आज भारत के उन मंदिरों की जानकारी जहां भूत-प्रेत से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाता है। इन मंदिरों में की जाती है पूजा-

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर

राजस्थान के दौसा जिले में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर एक प्रसिद्ध स्थल है, जहां लोग भूत-प्रेत से मुक्ति के लिए आते हैं। मंदिर में भूत-पिशाच से छुटकारा पाने के लिए कई तांत्रिक उपाय किए जाते हैं। यहां के पुजारी

बताते हैं कि भूत-प्रेत के साये को हटाने के लिए भक्तों पर कभी खौलता पानी डाला जाता है, और कभी उन्हें मंदिर की दीवारों से बांधकर विभिन्न तंत्र-मंत्रों का अभ्यास किया जाता है। यहां का प्रसाद भी विशेष माना जाता है, और इसे घर ले जाने की मनाही है क्योंकि यह मान्यता है कि भूत-प्रेत का साया साथ ले जाने का डर रहता है।

कालीघाट मंदिर, कोलकाता

कोलकाता का कालीघाट मंदिर भी भूत-प्रेत और आत्मा से संबंधित समस्याओं के इलाज के लिए प्रसिद्ध है। यहां के वातावरण को देखकर सामान्य व्यक्ति भी डर

सकता है। कालीघाट में विशेष रूप से तंत्र साधना होती है, और यहां भूत-प्रेत से पीड़ित लोग अपने उपचार के लिए आते हैं। इस मंदिर की रहस्यमय शक्ति को लेकर कई मान्यताएँ प्रचलित हैं।

बेताला मंदिर, भुवनेश्वर

उड़ीसा के भुवनेश्वर में स्थित बेताला मंदिर मां चामुंडा के मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। यहां तंत्र-मंत्र और तांत्रिक शक्तियों का उपयोग कर भूत-प्रेत और बुरी शक्तियों को भगाया जाता है। मंदिर की तांत्रिक प्रक्रियाएँ इतनी रहस्यमय और डरावनी होती हैं कि कुछ लोग तो यहां जाकर भयभीत हो जाते हैं। भक्त यहां आकर अपनी परेशानियों का समाधान खोजने का प्रयास करते हैं।

कष्टभंजन देव हनुमानजी मंदिर, गुजरात

गुजरात में स्थित कष्टभंजन देव हनुमानजी मंदिर दुष्ट आत्माओं और भूत-प्रेत से पीड़ित लोगों के लिए एक प्रमुख स्थल है। यहां पर आने वाले भक्तों का दावा है कि हनुमानजी की कृपा से उनकी समस्याओं का समाधान होता है। यह मंदिर विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो भूत-प्रेत से परेशान हैं।

देवजी महाराज मंदिर, मप्र

मध्यप्रदेश का देवजी महाराज मंदिर भी भूत-प्रेत भगाने के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर में रात के समय भूत निकालने की प्रक्रिया की जाती है। मान्यता है कि भूत-प्रेत

को झाड़ू से भगाया जाता है क्योंकि भूतों को झाड़ू से बहुत डर लगता है। यहां हर साल भूत मेला भी लगता है, जिसमें लोग आकर अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं।

चंडी देवी मंदिर, हरिद्वार

हरिद्वार का चंडी देवी मंदिर भूत-प्रेत और बुरी आत्माओं से छुटकारा पाने के लिए जाना जाता है। चंडी देवी को क्रोध की देवी माना जाता है, और यहां आने वाले भक्त मानते हैं कि उनकी समस्याएं और भूत-प्रेत का साया स्वयं हट जाता है।

दत्तात्रेय मंदिर, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश के दत्तात्रेय मंदिर में पूर्णिमा और अमावस्या के दिन महामंगल आरती का आयोजन किया जाता है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां भूत-प्रेत के चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनने को मिलती हैं। भक्त इन दिनों आकर अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ते हैं।

इन मंदिरों के बारे में जानकर यह समझा जा सकता है कि भारत में भूत-प्रेत और बुरी शक्तियों से संबंधित मान्यताओं और उपचार विधियों की गहरी जड़ें हैं। चाहे आप इन मान्यताओं को मानते हों या न मानते हों।

सृष्टि के प्रारम्भ से आज तक जीवित है ज्योतिष शास्त्र

वेदों से ज्योतिष ज्ञान की जो परम्परा शुरु हुई है, उसका सिलसिला आज तक निरन्तर जारी है क्योंकि ज्योतिष शास्त्र एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि रखता है। अगर यह शास्त्र मनुष्यों के लिए अत्यन्त लाभदायक न होता, तो सृष्टि के प्रारम्भ से आज तक इसका अस्तित्व विद्यमान भी न होता और न ही इसका इतना विकास हो पाता।

ज्योतिष शास्त्र को कुछ लोग नहीं मानते हैं तथा इसे अंधविश्वास समझते हैं। ज्योतिष शास्त्र को एकबारगी अस्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ज्योतिष विज्ञान ने एक लम्बे कालखण्ड के दौरान आम जनमानस को प्रभावित किया है। सृष्टि के प्रारम्भ से वर्तमान युग तक पहुंचते-पहुंचते ज्योतिष शास्त्र के साथ अनेक किंवदन्तियां और अंधविश्वास भी जुड़ गए हैं, ऐसे में ज्योतिष पर शोध एवं इसे आधुनिक विज्ञान से जोड़ेने की जरुरत निरन्तर बड़ती जा रही है।

कुछ समय पूर्व इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्विद्यालय, इग्नू ने अपने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम0 ए0 ज्योतिष) में ज्योतिष विज्ञान को सम्मिलित कर प्राचीन ज्ञान, विज्ञान को फिर से पल्लवित करने का प्रयास किया है। अत्यन्त तेज गति से ज्ञान व चिन्तन की उचाइयां छूते आधुनिक समय में वास्तविक तत्वों तक पहुंचने के लिए यह कदम अत्यन्त सराहनीय है। प्राचीन काल की तरह वर्तमान समय में ज्योतिष पर जितना अधिक शोध होगा, उतना ही ज्यादा ज्योतिष का विकास होगा और इस क्षेत्र में उत्पन्न हुई भ्रांतियों का निवारण होगा।

वैदिक काल से डिजिटल युग तक ज्योतिष की यात्रा

भविष्य के बारे में जानने की उत्सुकता मनुष्य की मूलभूत विशेषताओं में से एक है और इसी के चलते छः वेदांगों में एक ज्योतिष शास्त्र भी है, जिसे वेदों का नेत्र कहा जाता है। वेद से जुड़े ज्योतिष ज्ञान पर अनेक ग्रंथ मिलते हैं, वैदिक ज्योतिष में ऋग्वेद और यजुर्वेद से संदर्भित ज्ञान रूपी मंत्रों एवं सूत्रों का उल्लेख

मिलता है। ज्योतिष का विकास ज्योतिष के अठारह प्रवृत्तकों सहित असंख्य आचार्यों ने अपनी क्षमता एवं प्रज्ञा के अनुसार किया है। श्रुति और स्मृति के माध्यम से इस ज्ञान को सुरक्षित रखा गया था, वैदिक काल में ज्ञान को गुरु-शिष्य परम्परा में श्रुति यानि सुनकर, स्मृति यानि याद कर संग्रहित किया जाता था, जो पीड़ी दर पीड़ी एवं गुरु-शिष्य परम्परा में आगे बड़ता गया। भोजपत्र का आविष्कार होने के बाद ज्योतिष विषयों का ज्ञान अंकित किया गया, फिर कागज पर ज्योतिष के अनेक कालजयी ग्रंथों को प्रकाशित किया गया, वर्तमान युग, डिजिटल युग है, जिसमें ज्योतिष का ई-ज्ञान संग्रहित हो रहा है।

साउथ एक्ट्रेस पायल राजपूत की एक्शन हॉरर फिल्म मंगलवार का हिंदी प्रीमियर जी सिनेमा पर कल

अनिल बेदाग

पायल राजपूत और अजनीश लक्मथ स्टारर साउथ की ब्लॉकबस्टर एक्शन हॉरर फिल्म मंगलवारम अब हिंदी में 'मंगलवार' के नाम से 9 अगस्त 2024 को जी सिनेमा पर प्रीमियर होने जा रही है। ईगल होम एंटरटेनमेंट्स प्रस्तुत इस फिल्म में दक्षिण भारत के विख्यात सितारे पायल राजपूत और अजनीश लक्मथ ने अभिनय किया है। ईगल होम एंटरटेनमेंट्स के निदेशक सुरेंद्र सुनेजा मंगलवार की रिलीज को लेकर काफी रोमांचित हैं। फिल्म मंगलवार रहस्य और हॉरर से भरपूर फिल्म है, जिसने सिनेमाघरों में पहले ही धूम मचा दी है। प्रतिभाशाली पायल राजपूत और अजनीश लक्मथ अभिनीत इस ब्लॉकबस्टर ने आकर्षक कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, मंगलवार एक सनसनी बन गई और सबसे ज्यादा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली फिल्मों में से एक बन गई, जिसने कुछ ही दिनों में डिज्नी स्टार पर 150 मिलियन व्यूज मिनट के साथ अपनी सफलता का परचम लहरा दिया। अब फिल्म 'मंगलवार' टीवी के दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है, क्योंकि इसका प्रीमियर 9 अगस्त 2024 को हिंदी में दुनिया भर में जी सिनेमा पर होने जा रहा है। फिल्म मंगलवार न केवल एक दिल छू लेने वाली कहानी है बल्कि एक एहसास भी है, जिसे आप देखते समय महसूस करेंगे। 'आरएक्स 100' और 'महा समुद्रम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक अजय भूपति ने इस फिल्म को बाकी फिल्मों से काफी अलग बनाया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के जंगलों में सैकड़ों कलाकारों के साथ लगातार 75 दिन और रात शूटिंग की। शूटिंग के दौरान एडिटिंग और साउंड डिजाइन को ध्यान में रखा गया। पायल राजपूत ने अपनी अद्भुत एक्टिंग प्रतिभा को साबित कर दिया है। कैमरामैन सिवेंद्र दसरधी ने हर सीन को बखूबी पेश किया है। ईगल होम एंटरटेनमेंट्स के निदेशक सुरेंद्र सुनेजा ने कहा कि 'इस फिल्म में कुछ ऐसा दिखाया गया है जो पहले कभी नहीं देखा गया। कंतारा फेम अजनीश बी लोकनाथ ने फिल्म के बैकग्राउंड म्युजिक को यादगार बना दिया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आएगी।

आंध्र प्रदेश के जंगलों में सैकड़ों कलाकारों के साथ लगातार 75 दिन और रात शूटिंग की। शूटिंग के दौरान एडिटिंग और साउंड डिजाइन को ध्यान में रखा गया।

दिलों पर छुरियां चलाने आ गई रश्मि देसाई

अपने करियर की शुरूआत करने के बाद से ही 'गो' शब्द से ही रश्मि देसाई भारतीय फैशन जगत में अपनी धाक जमा रही हैं और तब से लेकर अब तक वास्तव में कुछ भी नहीं बदला है। हालांकि समय आगे बढ़ गया है और एक कलाकार के रूप में अपने करियर में रश्मि की प्रगति भी हुई है, लेकिन जो चीज अभी भी वही बनी हुई है वह है उनकी शुद्ध और मासूम मुस्कान जो निश्चित रूप से संक्रामक है। वह हमेशा उन दुर्लभ खुशमिजाज, आनंदमय व्यक्तित्वों में से एक रही हैं जो सचमुच किसी भी चीज और हर चीज में आश्चर्यजनक और सनसनीखेज दिखती हैं और उनका इंस्टाग्राम फीड इसका सटीक प्रमाण है। चाहे वह उसके चमकदार और प्रतीकात्मक कस्टम पश्चिमी परिधानों में हो या उसकी जातीयता में, जहां वह एक वर्ग से अलग है, वह हर जगह धमाकेदार है। खूबसूरत पीले, बहु-मुद्रित भारतीय पटियाला सूट में रश्मि अपनी सकारात्मक चमक और आकर्षक आकर्षण बिखेर रही हैं, जो पहले कभी नहीं था। जो चीज उनके लुक को और अधिक 'देसी' बनाती है, वह है उनका मनमोहक 'छोटी हेयरस्टाइल' जो उनके पहनावे के साथ बिल्कुल मेल खाता है। बिंदी शीर्ष पायदान पर दिखती है और इसलिए उसकी कॉकटेल बजती है और अनुमान लगाती है कि इन तस्वीरों का मुख्य आकर्षण क्या है? उसकी स्वाभाविक प्रसन्नता और जीवंत मुस्कान जहां वह किसी अन्य की तरह खुशी से चमकती हुई दिखाई देती है। काम के मोर्चे पर, रश्मि देसाई ने हाल ही में फिल्म 'जेएनयू' में अपने सनसनीखेज प्रदर्शन से दिल जीता, जिससे उन्हें काफी आलोचना मिली। जैसे-जैसे वह फिल्म की सफलता के शिखर पर हैं, उनके पास कई अन्य परियोजनाएं भी हैं, जिनकी आधिकारिक घोषणा जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार होगी।

एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर का रोमांस देवरा के दूसरे गाने धीरे धीरे में दिखाई दिया

एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर के फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है क्योंकि बहुप्रतीक्षित फिल्म देवराः पार्ट 1 का दूसरा सिंगल रिलीज हो गया है। एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर की जोड़ी वाला यह रोमांटिक गाना 'धीरे-धीरे' आँखों और कानों को दोनों रूप से आनंददायक है, जो क्रेडिट रोल के बाद भी दर्शकों के साथ लंबे समय तक बने रहने का वादा करता है।'धीरे-धीरे' में जान्हवी कपूर के किरदार थंगम को दिखाया गया है, जो एनटीआर जूनियर द्वारा निभाए गए प्रतिपक्षी के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करती है। एक्शन से भरपूर इस ड्रामा में. एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर के बीच की केमिस्ट्री देखने लायक है, और दोनों कलाकार वास्तव में अपने ए-गेम को इस आकर्षक ट्रैक पर लाया हैं। इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीतबद्ध किया है तथा प्रतिभाशाली कौसर मुनीर ने इसके बोल लिखे हैं, जो प्रेम के सार को खूबसूरती से व्यक्त करते हैं। बोस्को मार्टिस की कोरियोग्राफी ने इस प्रदर्शन में चार चांद लगा दिए हैं। 'धीरे-धीरे' को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में शिल्पा राव ने गाया है, जबकि तमिल वर्जन दीप्ति सुरेश ने गाया है।हाई-ऑक्टेन 'फियर सॉन्ग' के बाद, जो 23 मिलियन से अधिक व्यूज के साथ जबरदस्त हिट रहा, 'धीरे-धीरे' फिल्म के रोमांटिक गाने की झलक पेश करता है।देवराः भाग 1 27 सितंबर, 2024 को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित और युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित, नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुति के साथ है। एनटीआर जूनियर और जान्हवी कपूर के साथ इस फिल्म में सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिका में हैं। निमार्ता फिल्म की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, और सेकंड सिंगल की चर्चा के साथ, उम्मीदें बढ़ रही हैं।

पुष्पा 2: द रूल के क्लाइमेक्स में शानदार एक्शन सीक्वेंस

'पुष्पा 2: द रूल' के प्रतीक्षित रिलीज का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म के निमार्ताओं ने हाल ही में एक बड़ा अपडेट दिया है, जिसमें फिल्म के क्लाइमेक्स का शूटिंग अभी प्रगति में है। इस अपडेट ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है, जहां निमार्ताओं ने फिल्म के मुख्य क्षण का एक छोटा सा टुकड़ा साझा किया है। इस शानदार एक्शन सीक्वेंस में हमें अल्लू अर्जुन को उनके रोमांचक अवतार में देखने का अवसर मिलेगा। निमार्ताओं ने इस अवसर पर लिखा, इस उत्तेजना भरे माहौल में 'पुष्पा 2: द रूल' के बारे में यह अपडेट उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। यह भव्य एक्शन सीक्वेंस एक ग्रांड थिएट्रिकल अनुभव प्रदान करने की उम्मीद है। 'पुष्पा 2: द रूल' की विश्वभर में रिलीज 6 दिसंबर 2024 को होने की योजना है। सुकुमार द्वारा निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

माधुरी दीक्षित एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 40 साल पूरे होने का जश्न अपने फैन्स के साथ मनाएंगी

बॉलीवुड सुपरस्टार माधुरी दीक्षित, जिन्होंने 10 अगस्त, 1984 को फिल्म अबोध से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी, वह इस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने 40 साल पूरे कर रही हैं। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्भुत आकर्षण के लिए जानी जाने वाली यह प्यारी अभिनेत्री अपने फैन्स के साथ फिर से जुड़कर इस खूबसूरत मौके का जश्न मनाने की योजना बना रही है।माधुरी दीक्षित 8 अगस्त से 11 अगस्त, 2024 तक अमेरिका के चार शहरों के विशेष दौरे पर जाएंगी, जिसका शीर्षक है 'द फॉरएवर क्वीन ऑफ बॉलीवुड - माधुरी दीक्षित'। मेगास्टार न्यूयॉर्क, डलास, न्यू जर्सी और अटलांटा जाएँगी, जिससे उनके फैन्स को उनके साथ इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने का अवसर मिलेगा। इस टूर के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, मुझे हमेशा अपने प्रशंसकों से मिलना अच्छा लगता है क्योंकि उनसे मुझे जो प्रतिक्रिया मिलती है वह अद्भुत होती है। कभी-कभी वे मेरे पास आते हैं और मुझे बताते हैं कि फिल्मों में मैंने जो विभिन्न भूमिकाएँ निभाई हैं, उनका उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है या वे मुझे किस तरह की भूमिकाएं निभाते देखना चाहेंगे। विचारों का यह गिव एंड टेक कुछ ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार करती हूँ, और मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि वे कौन हैं और उनका जीवन कैसा है। मैंने हमेशा अपने प्रशंसकों के साथ इस तरह की बातचीत को संजोया है।स्क्रेजीहोलिक एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालिक और संस्थापक श्रेया गुप्ता 'द फॉरएवर क्वीन ऑफ बॉलीवुड - माधुरी दीक्षित' टूर की भारत में प्रमोटर हैं। बहुप्रतीक्षित टूर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा। रहम सभी माधुरी जी को धक-धक गर्ल के नाम से जानते हैं। यह सिर्फ उनके प्रशंसकों द्वारा दिया गया उपनाम नहीं है, बल्कि सही मायने में वह दुनिया भर में अपने प्रशंसकों के दिलों की धड़कन हैं। हमें यूएसए टूर के लिए बहुत सकारात्मक और हाय-ऑक्टेन प्रतिक्रिया मिल रही है। हमने एक कंपनी के रूप में कई मशहूर हस्तियों के साथ काम किया है, लेकिन माधुरी दीक्षित के साथ जुड़ना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। शालीन भनोट माधुरी के टूर कार्यक्रमों की मेजबानी करेंगे, जबकि न्यू जर्सी के वर्ल्ड स्टार एंटरटेनमेंट के अतीक शेख इस टूर के राष्ट्रीय प्रमोटर हैं।

मोहन जोशी ग्रेडिएंट इंफोटेनमेंट के बैनर तले बन रही मराठी फिल्म अभया में आएंगे नजर

हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहन जोशी अब एक लंबे अंतराल के बाद निमार्ता डॉ. विमल राज माथुर की अकमिंग मराठी फिल्म अभया में दिखाई देंगे। फिल्म के सेकन्ड शेड्यूल की शूटिंग मुम्बई में की जा रही है, जहां मोहन जोशी के सीन फिल्माए गए। मुम्बई की दौड़ती भागती जिंदगी से दूर पुणे में वह काफी समय से हरियाली और प्रकृति के निकट अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रोड्यूसर रूपेश डी गोहिल ने कहा कि मोहन जोशी फिल्म में सेंट्रल कैरेक्टर निभा रहे हैं। फिल्म का प्लॉट उनके किरदार के इर्दगिर्द घूमता है। इस किरदार को मोहन जोशी ही निभा सकते थे। हम पुणे में उनके फार्म हाउस में मिलने गए, उन्होंने फिल्म की कहानी सुनी और इस किरदार के लेयर्स और शेड्स को पसन्द किया। और इस फिल्म में काम करने को तैयार हुए। इस की शूटिंग के लिए वह विशेष रूप से पुणे से मुंबई आए।मोहन जोशी ने कहा कि मराठी फिल्म अभया का हिस्सा बनकर खुश हूं। इसमें मेरा निगेटिव रोल है, ग्रे शेड है, इसकी कथा दर्शकों को चौंकाएगी। सभी से अपील है कि जब भी रिलीज हो, फिल्म अभया जरूर देखें। फिल्म के निर्माता डॉ. विमल राज माथुर ने कहा कि हम मोहन जोशी जैसे एक्टर के आभारी हैं कि वह हमारी फिल्म अभया की टीम से जुड़े। वह बेहद सपोर्टिव अभिनेता हैं, उन्होंने फिल्म में शामिल होकर इसे चार चांद लगा दिया है। निमार्ता डॉ. विमल राज माथुर ने शूट किए गए दृश्यों के बारे में बताया कि इन दिनों नेता और बिजनसमैन हर चीज अपने पंडित से पूछकर करते हैं, कुछ ऐसा ही सीन मुम्बई में फिल्माया गया। साथ ही हमने मोहन जोशी का इंट्रो सीन भी शूट किया। क्राइम थ्रिलर मराठी फिल्म अभया का निर्माण ग्रेडिएंट इंफोटेनमेंट लिमिटेड और आरडीजी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले किया जा रहा है। दृश्यम फेम कमलेश सावंत ने कांस्टेबल सावंत का किरदार अदा किया है वहीं योगिता भोसले सावित्री के रूप में नजर आएंगी। फिल्म यूसुफ सूरती द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है। फिल्म में बाकी कलाकारों में हर्षा निकम, श्रद्धा वाघ और आरोही भोईर के नाम उल्लेखनीय हैं। फिल्म के सिनेमाटोग्राफर विमल मिश्रा हैं।

धूप में भीगते हुए सम्मोहक सुंदरता दिखाती शमा सिकंदर

शमा सिकंदर एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो जब भी मौका मिलता है अपनी घूमने की इच्छा को पूरा करना पसंद करती हैं। जब भी उसे अपने व्यस्त कार्यक्रम की भागदौड़ से समय निकालने का मौका मिलता है, तो वह इसका अधिकतम लाभ उठाती है।उनके सबसे पसंदीदा गुणों में से एक यह तथ्य है कि वह जीवन की साधारण खुशियों से भी खुशी प्राप्त कर लेती हैं। प्रकृति के बीच रहना एक ऐसी चीज है जिसे वह हमेशा पसंद करती है और यह निश्चित रूप से उसके सोशल मीडिया फीड पर भी प्रतिबिंबित होता है। बाली, इंडोनेशिया शमा का नवीनतम अवकाश स्थल है और ऐसा लगता है कि वह वास्तव में वहां 'बहुत अच्छा समय' बिता रही हैं। वह बाली में एक उज्ज्वल और धूप वाले दिन में अपने समय का आनंद लेते हुए धूप में भीगती हुई दिखाई देती है। जिस तरह से वह अपने लाल, गहरे गले वाले मैक्सी गाउन में कमाल कर रही है। वह सुंदर और संक्रामक मुस्कान जो वह अपने अंत में दिखा रही है, इस तथ्य की पुष्टि करती है कि वह वास्तव में वहां माहौल का आनंद लेते हुए खुश है। उसका आकर्षण उसकी मनमोहक और बचकानी आत्मा में निहित है और यही चीज उसे इतना प्यारा व्यक्तित्व बनाती है।

धूमधाम से मना अग्रवाल मित्र मंडल का हरियाली तीज उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। अग्रवाल मित्र मंडल सेक्टर-33 नोएडा द्वारा डायमंड क्राउन सेक्टर-51 नोएडा में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन बड़े हर्ष के साथ के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित एव गणेश पूजा के साथ शुरू हुई।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद डा. महेश शर्मा, विधायक नोएडा पंकज सिंह, मुरादाबाद सांसद समाजवादी पार्टी रुचि वीरा, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व विधायक एवं महिला आयोग के अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक नवाब सिंह नागर, दर्जा प्राप्त मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता मौजूद थे।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता, अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, महाससिव मनोज गोयल, कोषाध्यक्ष पुनीत गर्ग, कार्यक्रम संयोजक अनुज गुप्ता, संदीप अग्रवाल, अशोक गोयल, राजेंद्र जैन, बलराज गोयल, संजय गोयल, सुनील गुप्ता, एडवोकेट विकास बंसल, सुशील सिंघल, प्रदीप अग्रवाल, मुकेश गर्ग, अमीश राजवंशी, सुरेंद्र गर्ग, विकास जैन, सौरभ अग्रवाल, केशव गंगल, नेत्रपाल अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता राजेश जिंदल, मनीष गोयल, मनोज अग्रवाल, तुषार गोयल, अंकित जैन, संतोष गर्ग, महिला संयोजका वंदना गुप्ता, सविता गोयल, शालू गोयल, सुरभि अग्रवाल, ऊर्जा गुप्ता, तृष्णा बंसल, नीरजा सिंघल, कंचन गुप्ता, स्वेता अग्रवाल, संगीता गर्ग,अनीता अग्रवाल, रेनू बंसल, टीना अग्रवाल,तनीषा गोयल, नीलम गोयल रुचि गर्ग मंजू अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

छात्र जीवन में लक्ष्य रखकर अच्छे विचार पोषित करें : डा. अमिता चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। द ग्लोबल टाइम्स (एमिटी का अखबार) द्वारा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल एवं एमिटी ग्लोबल स्कूल के छात्रों के लिए 14 वें द ग्लोबल टाइम्स अवार्ड 2023-24 समारोह का आयोजन एमिटी विश्वविद्यालय में किया गया जिसमे ''द ग्लोबल टाइम्स मेकिंग ए न्यूजपेपर कॉस्टेस्ट'' में विजयी एमिटी विद्यालय के युवा छात्रों (द ग्लोबल टाइम्स के पत्रकारों) सहित एमिटी विद्यालयों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में टाइम्स नाउ की एंकर और विशेष संवाददाता श्रीमती ज्योती मिश्रा, एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डा अमिता चौहान और एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एंड एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की चेयरपरसन श्रीमती दिव्या चौहान ने विजेता छात्रों व टीमों को पुरस्कृत किया। द ग्लोबल टाइम्स मेकिंग न्यूजपेपर कांटेस्ट प्रतियोगिता के अंर्तगत एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा को द ग्लोबल टाइम्स बेस्ट न्यूजपेपर की विजेता ट्राफी प्रदान की गई। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 43 गुडगांव को द्वितीय विजेता और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 01 वसुंधरा को तृतीय विजेता की ट्राफी प्रदान की गई। एमिटी ग्लोबल स्कूल नोएडा को ज्युरी स्पेशल मेंशन की ट्राफी से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त एमिटी के नवोदित पत्रकारों को उनकी पत्रकारिता योग्यता और उत्कृष्टता के लिए जैसे कि सर्वश्रेष्ठ शीर्ष स्टोरी, सर्वश्रेष्ठ चित्रण, सर्वश्रेष्ठ परिप्रेक्ष्य स्टोरी, सर्वश्रेष्ठ ग्राउंड रिपोर्टिंग, सर्वश्रेष्ठ साक्षात्कार, सर्वश्रेष्ठ संपादन, समाचार की सर्वश्रेष्ठ एबीसी,

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल बना विजेता

सर्वश्रेष्ठ ग्राफिक/इमेजिंग, सर्वश्रेष्ठ डिजाइन, सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफी आदि 15 अन्य श्रेणियों में सम्मानित किया गया। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 46 गुरूग्राम की शिक्षिका रेजिना मुखर्जी, और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल साकेत की शिक्षिका देबजानी दास, को सर्वश्रेष्ठ मेंटर शिक्षक का पुरस्कार दिया गया। इस वर्ष 8 छात्रों को उनके स्कूली जीवन के दौरान समाचार पत्रों के निर्माण में उनके निरंतर योगदान के लिए जीटी स्कूलटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

टाइम्स नाउ की एंकर और विशेष संवाददाता श्रीमती ज्योती मिश्रा ने एमिटी के युवा पत्रकारों द्वारा लिखे गए लेखों की सराहना की और पत्रकारिता के बारे में उनके ज्ञान की सराहना भी की।

एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डा अमिता चौहान ने छात्रों को जीवन में एक लक्ष्य रखने और अच्छे विचारों को पोषित करने के लिए प्रेरित किया।

जाट समाज की महिलाओं ने मनाई तीज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सावन के महीने में जहां देश भर में हरियाली तीज का महोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं ग्रेटर नोएडा में जाट समाज की महिलाओं ने हरियाली तीज महोत्सव का शानदार आयोजन किया। जिसमें सभी जाट समाज की महिलाओं ने जोश के साथ भाग लिया।

हरियाली तीज के त्यौहार को बेहद खूबसूरत अंदाज से मनाया गया जिसमें सभी महिलाओं ने मिलकर आपस में नाच गाना किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट प्रियंका अत्रि भी जाट समाज तीज महोत्सव में शामिल हुई और सभी जाट समाज की महिलाओं के साथ मिलकर हरियाली तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया।

इस मौके पर डॉ. प्रीति चौधरी ने संचालन किया। संगीता सिंह, गीता सिंह, पूजा मलिक सरला चौधरी सुमन सिंह पूनम पवार योगिता सिंह कल्पना तालान सरोज सिंह इमरती सिंह काजल तालान आदि महिलाओं ने हरियाली तीज के प्रोग्राम में बड़ चढ़कर हिस्सा लिया।

तीज महोत्सव में महिलाओं ने गाये गीत

नोएडा (चेतना मंच)। तीज के त्यौहार को हर्षोउल्लास कस साथ मनाने के लिए राष्ट्रीय सेवा समर्पण की महिला टीम के द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन जलवायु टॉवर सेक्टर-47 में बड़ी धूमधाम से किया गया।

तीज महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रज्ञा पाठक, नोएडा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा शारदा चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष गिरिजा सिंह, महामंत्री शिवानी शरद रही। जिनका स्वागत राष्ट्रीय सेवा समर्पण के मोमेंटो देकर किया गया। प्रोग्राम का नेतृत्व संगठन की कोषाध्यक्ष निमिषा नेगी के द्वारा किया गया तथा मंच संचालन हेमा भास्कर ने किया।

इस तीज महोत्सव में मिस क्वीन-2024 का खिताब संगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशा पोद्दार को दिया गया। प्रज्ञा पाठक ने उन्हें ताज पहनाकर इसकी विधिवत घोषणा की। इस प्रोग्राम में उन्नति संस्था की संस्थापक रेनु बाला की तरफ से स्पॉन्सर किया गया जिसमें सभी 50 महिलाओं को चूड़ी एवं मेहंदी वितरित की गई।

तीज कार्यक्रम में संगठन की उपाध्यक्ष मधु चौधरी, संगठन की सचिव उषा थापा, राष्ट्रीय सेवा समर्पण नोएडा महानगर की जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, मंजूरावत मीणा, असवाल सॉन्ग मित्रा सिंह, शिल्पी श्रीवास्तव, रेखा, प्रेरणा, रिचा, बबली, उमा गौतम एवं अन्य कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

एक्सप्रेस-वे पर परमिट व फिटनेस के बिना नहीं दौड़ पाएंगी बसें

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर लम्बी दूरी की बसों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग और नोएडा कमिश्नरेट की यातायात पुलिस बेहद सख्ती करने जा रही है। अब बिना परमिट व फिटनेस के बसें एक्सप्रेसवे पर नहीं दौड़ पाएंगी।

यातायात पुलिस व परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सेक्टर-14ए स्थित उप पुलिस आयुक्त (यातायात) ने लम्बी दूरी की बसें संचालित करने वाले वाहन स्वामियों के साथ बैठक की। इस बैठक में आरटीओ (प्रवर्तन) के.डी. सिंह गौर ने वाहन स्वामियों को बताया कि लम्बी दूरी की बसों से सड़क दुर्घटनाएं काफी बढ़ गई हैं इसलिए दिल्ली से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर चलने वाली हर बस का फिटनेस, परमिट, बीमा सहित सभी दस्तावेजों की जांच की जाएगी और जिन बसों के पास फिटनेस, परमिट नहीं होगा उन्हें एक्सप्रेसवे पर चढ़ने नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सामान्य बस स्लीपर बसें जिनकी बॉडी निर्धारित मानकों पर नहीं होगी, अधिक सीटें लगी होंगी, क्षमता से अधिक यात्री होंगे उनके खिलाफ भी एक्शन होगा। एक्सप्रेसवे पर ओवर स्पीड, छत पर अतिरिक्त सामान रखने पर भी कानूनी कार्यवाही होगी।

आरटीओ (प्रवर्तन) श्री गौर ने बताया कि पुलिस व यातायात विभाग द्वारा 8-8 घंटे के शिफ्ट में बसों की चैकिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि 1 हफ्ते में 38 बसें जब्त की गई हैं और 69 बसों का चालान काटकर 35 लाख रूपये का जुर्माना वसूला गया है।

बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक, एसीपी ट्रैफिक, एआरटीओ प्रवर्तन डा. उदित नारायण, अमित राजन राय, विपिन चौधरी व बस ऑपरेटर शामिल रहे।

डीएम ने किया यूपीपीसीबी कार्यालय का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नोएडा का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कार्यालय में क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नोएडा उत्सव शर्मा, सहायक पर्यावरण अभियन्ता किशन सिंह, सहायक पर्यावरण अभियन्ता पी0पी0 सिंह, वरिष्ठ लिपिक मोहन चन्द्र तथा अन्य आउटसोर्स स्टॉफ उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय में उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया भी किया गया। पंजिका में वाहन चालक दीपचन्द्र तिवारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर दीव्या मिश्रा के हस्ताक्षर नहीं पाये गये व दोनों कार्मिक कार्यालय में अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी द्वारा उक्त दोनों कार्मिकों को चेतावनी पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कार्यालय में पत्रावलियों के उचित रखरखाव एवं परिसर में साफ सफाई का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में क्षेत्रीय प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया गया व प्रयोगशाला में मापन किये जाने वाले विभिन्न परिचालकों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। कार्यालय परिसर एवं कार्यालय कार्यों में बिचौलियों का हस्तक्षेप नहीं पाया गया व कार्यालय की कार्यप्रणाली सुदृढ़ पायी गयी।

तीज महोत्सव

ग्रेटर नोएडा शहर के अल्फा-2 के एच ब्लॉक में तीज महोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मकान नंबर एच-12 अल्फ़ा-2 के बाहर महिलाओं ने झूला झूलते हुए मंगल गीत गाए। साथ ही एक-दूसरे को तीज की बधाइयाँ भी दीं।

बच्चा चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

ग़ाजियाबाद (ब्यूरो)। ग़ाजियाबाद में पुलिस ने एक ऐसे बच्चा चोर गिरोह का पर्दाफ़ाश किया है जो ऑन डिमांड बच्चा चोरी कर उसे लाखों रुपये में बेच देता था। ग़ाजियाबाद पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह के सदस्यों को गिरफ़्तार किया है जिसमे महिलायें भी शामिल है।

यह पूरा मामला ग़ाजियाबाद के थाना वेव सिटी का है , जहां महरौली निवासी विनोद ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसकी पत्नी सृष्टि 5 अगस्त को अपने चार माह के नवजात बच्चे और कविता नामक युवती के साथ ज़िला एमएमजी अस्पताल गई थी। जिस ऑटो में उनकी पत्नी सवार थी उसमे पहले से एक महिला सविता बैठी थी। परिचय होने के बाद जब वह अस्पताल पहुंची तो कविता ने सविता को बच्चा पकड़वा दिया और कविता सृष्टि को पर्ची बनवाने के बहाने काउंटर पर ले गई। इस दौरान सविता बच्चा चोरी कर फ़रार हो गई।

इस घटना के बाद पूरे ग़ाजियाबाद शहर में सनसनी फैल गई। ग़ाजियाबाद पुलिस हरकत में आ गई और बच्चे को ढूँढने के लिए टीमों का गठन किया। टीम ने बच्चे को ढूँढने के लिए लोकल इनपुट तथा सीसीटीवी कैमरो की छानबीन शुरू कर दी और घटना के 10 घंटों के अंदर नवजात बच्चे को सकुशल उसके माता पिता को लौटा दिया। ग़ाजियाबाद पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया है। गिरफ़्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि इस गिरोह का मास्टर माइंड

लतीफ़ है। ग़ाजियाबाद पुलिस उसे ढूँढने का प्रयास कर रही है। लतीफ़ फूलबाई का प्रेमी है। सृष्टि फूलबाई के पास ही रहती है। सृष्टि को 4 माह पूर्व एक बच्चा पैदा हुआ था जिस पर लतीफ़ और उसकी प्रेमिका फूलबाई की नज़र थी। लतीफ़ उस नवजात का अपहरण कर उसे बेचना चाहता था। लतीफ़ का किन्ही अज्ञात लोगों से नवजात को बेचने के लिए 35 लाख रुपये में सौदा भी हो गया था। पुलिस ने इस गिरोह में शामिल लोकेश अरोड़ा, कविता अरोड़ा, सुलेखा देवी ,फूलबाई और कविता को गिरफ़्तार किया है

अपनी पैसों की प्यास मिटाने के लिए इस कलयुगी माँ ने अपनी बेटी को भी इस मायाजाल में धकेल दिया। फूलबाई ने अपनी बेटी कविता को सृष्टि के साथ हॉस्पिटल भेजा था जहां प्लान के अनुसार फूलबाई की बेटी कविता ने सृष्टि का ध्यान भटकाकर बच्चा चोरी करवाया। ग़ाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उन्होंने 3 महीने पहले भी झुग्गी झोपड़ी थाना क्षेत्र मधुबन बापुधाम से इसी तरह एक बच्चा चोरी किया और बीच दिया था। पुलिस इनके पुराने आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है और लतीफ़ को भी पकड़ने के लिए उसके अड्डों पर दबिश दे रही है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com